दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 66 | ग्वालियर, सोमवार 26 अप्रैल 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

भारत में कोरोना से हाहाकार, भारतीय-अमेरिकियों ने बढ़ाया मदद का हाथ बाइडेन प्रशासन भी सहायता को तैयार

वॉशिंगटन। भारत में जारी कोरोना संकट के बीच मदद के लिए भारतीय-अमेरिकियों ने हाथ बढ़ाया है। एक तरफ आईटी कारोबारी विनोद खोसला ने कहा है कि वह ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे भारतीय अस्पतालों को आर्थिक सहायता भेजने को तैयार हैं। तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भी बाइडेन प्रशासन से भारत को ऐस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन भेजने का आग्रह किया है। दरअसल, अमेरिका ने ऐस्ट्राजेनेका की वैक्सीन खरीदी है लेकिन अभी तक वहां इसके इस्तेमाल को मंजूरी नहीं मिली है। वहीं, भारत में यह इस्तेमाल हो रही है। ऐसे में राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि अमेरिका को ये वैक्सीन भारत को भेजनी चाहिए। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी यही मांग की है।

बता दें कि खोसला भारतीय-अमेरिकी समुदाय में से मदद का हाथ बढ़ाने वाले पहले शख्स हैं। उन्होंने ट्वीट किया, मैं भारत में उन अस्पतालों को आर्थिक मदद देने को तैयार हूं जिन्हें बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन आयात करने जरूरत है। अस्पताल/ एनजीओ कृपया संपर्क करें। खोसला ने भी ऐस्ट्राजेनेका की वैक्सीन भारत भेजे जाने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन को टैग करते हुए ट्वीट किया, ऐस्ट्राजेनेका की वैक्सीन को अमेरिका में फिलहाल शायद ही इस्तेमाल की मंजूरी मिलेगी। अमेरिका को इन खुराकों के निर्यात को मंजूरी दे देनी चाहिए। अमेरिका में मॉडर्ना और फाइज़र-बायोनटेक की वैक्सीन ही काफी है।

बाइडेन प्रशासन ने भी बढ़ाया हाथ-अमेरिकी प्रशासन ने भी संकट की इस घड़ी में भारत की सहायता करने की मंशा जाहिर की है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान ने कहा, भारत में कोरोना के कहर से अमेरिका बेहद चिंतित है। हम इस महामारी से युद्ध में भारत की मदद करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

भारत में तबाही का ये कैसा खौफनाक मंजर? एक दिन में कोरोना से 2761 मौतें, करीब 3.50 लाख केस

नई दिल्ली। भारत में कोरोन वायरस की दूसरी लहर का कहर थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन कोरोना के मामलों में बड़ा इजाफा देखने को मिल रहा है, जिसकी वजह से देश में अस्पतालों में बेड से लेकर ऑक्सीजन की किल्लतें होने लगी हैं। देश में कोरोना की दूसरी लहर हर दिन अपने ही बनाए रिकॉर्ड ध्वस्त कर रही है। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, शनिवार रात 12 बजे तक कोरोना के 349,313 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,69,51,621 पर पहुंच गए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 26 लाख से अधिक हो गई है। देश में लगातार तीन-चार दिनों से कोरोना के एक दिन में तीन लाख से अधिक मामले आ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को महज 24 घंट में 2761 लोगों की मौत हुई है, जो काफी डराने वाले आंकड़े हैं। एक दिन में 2,760 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,92,309 हो गई है। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। फिलहाल यह आंकड़ा 26,74,35 है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.8 फीसदी है। देश में कोरोना वायरस केसों की संख्या का एक दिन का सर्वाधिक आंकड़ा है।

देश में बनाए जाएंगे 551 मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट, पीएम केयर्स से दिया जाएगा फंड

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर देश में हर रोज ही अपना रौद्र रूप दिखा रही है. कोरोना मामलों में बेतहाशा वृद्धि के बीच देश में ऑक्सीजन संकट भी खड़ा हो गया है. कोरोना की दूसरी लहर से मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है. जिससे स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा गई हैं. अस्पतालों में दवाओं से लेकर ऑक्सीजन की भारी कमी है. इस बीच नरेंद्र मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. देश में अब 551 डेडिकेटेड प्रेशर स्विंग ऐड्सॉर्प्शन मेडिकल ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाए जाएंगे, जिसके लिए पीएम केयर्स से फंड दिया जाएगा. पीएमओ की ओर से इसकी जानकारी दी गई है.

प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता को बढ़ाने के पीएम के निर्देश के अनुरूप क्क्रू छ्रूश्वस्फंड ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अंदर 551 डेडिकेटेड प्रेशर स्विंग ऐड्सॉर्प्शन मेडिकल ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट की स्थापना के लिए फंड के आवंटन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है. साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने निर्देश दिया है कि इन प्लांट्स को जल्द से जल्द कार्यात्मक बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि ये संयंत्र जिला स्तर पर ऑक्सीजन की उपलब्धता को एक प्रमुख बढ़ावा देंगे. पीएमओ के अनुसार, ये समर्पित संयंत्र विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में जिला मुख्यालयों में चिन्हित सरकारी अस्पतालों में स्थापित किए जाएंगे. खरीद स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से की जाएगी. पीएमओ ने बयान में कहा कि इन-हाउस कैप्टिव ऑक्सीजन जेनरेशन सुविधा अस्पतालों और जिले की दिन-प्रतिदिन की मेडिकल ऑक्सीजन जरूरतों को पूरा करेगी. वहीं तरल चिकित्सा ऑक्सीजन कैप्टिव ऑक्सीजन जनरेशन के लिए टॉप अप के रूप में काम करेगा. पीएमओ के अनुसार, इस तरह की प्रणाली लंबे समय तक यह सुनिश्चित करेगी कि जिलों के सरकारी अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति में अचानक व्यवधान का सामना न करना पड़े. सात ही कोरोना मरीजों और अन्य रोगियों के लिए पर्याप्त निर्बाध ऑक्सीजन की आपूर्ति का उपयोग हो. बता दें कि फंड ने इस वर्ष की शुरुआत में देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अंदर अतिरिक्त 162 समर्पित दबाव स्विंग स्विंग सोखना मेडिकल ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट्स की स्थापना के लिए 201.58 करोड़ रुपये का आवंटन किया था.

कोरोना ने मचाया हाहाकार, श्मशान में नहीं जगह पार्क में हो रहा अंतिम संस्कार

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण ने पूरे देश में हाहाकार मचा रखा है. पूरा देश कोरोना के कहर से कांप रहा है. इस बीच राजधानी दिल्ली के तो सबसे बुरे हालात हैं. दिल्ली में कोरोना ने ऐसा तांडव किया है कि श्मशान में भी लाशों का ढेर दिखाई दे रहा है और लोगों को अपने रिश्तेदारों की कोरोना वायरस संक्रमण से हुई मौत के बाद उनका अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट में जगह नहीं मिल पा रही है जिसकी वजह से उन्हें उनका अंतिम संस्कार करने के लिए पार्कों में जाना पड़ रहा है. कोरोना वायरस संक्रमण का असली तांडव देश की राजधानी दिल्ली में दिखाई दे रहा है. राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या का आंकड़ा इतना बढ़ गया है कि अब श्मशान घाट पर भी अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बची है. लोग कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हुई मौत के बाद शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए दिल्ली के पार्कों की ओर रुख कर रहे हैं. आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली के मौजूदा हालात ये हैं कि रोजाना लगभग 24 हजार कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं बल्कि मरने वालों का आंकड़ा भी रिकॉर्ड बनाता जा रहा है. इतनी ज्यादा संख्या में हो रही मौतों के बाद श्मशान घाटों पर शव जलाने के लिए भी लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, तो वहीं पर कई जगहों पर अंतिम संस्कार के लिए पार्कों की शरण लेनी पड़ रही है. दिल्ली के सराय काले खां के श्मशान पर कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है. सराय कालेखां स्थित श्मशान स्थल पर भी रोजाना आने वाले शवों की संख्या बढ़ती जा रही है. लोगों को अपनों का अंतिम संस्कार करने के लिए भी वेटिंग में लगना पड़ रहा है. इसे देखते हुए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने यहां पर 27 नए प्लेटफार्म बनाने का काम शुरू कर दिया है. रविवार रात इन्हें बनाने का काम पूरा कर लिया जाना है. निगम सूत्र ने बताया कि यहां पर विद्युत शवदाह गृह में दो भट्टियां हैं. वहीं, लकड़ी से अंतिम संस्कार के लिए 25 प्लेटफार्म पहले से हैं. लेकिन वर्तमान में आने वाले शवों की संख्या को देखते हुए श्मशान के आसपास जहां भी जगह उपलब्ध हो सकी है वहां पर 27 नए प्लेटफार्म बनाने का काम शुरू कर दिया गया है जो कि रविवार रात तक पूरा हो जाएगा.

दिल्ली समेत 7 राज्य ऐसे जहां कोरोना पॉजिटिवों की संख्या 10 लाख के पार

नई दिल्ली। देशभर में अभी तक 1 करोड़ 69 लाख 60 हजार 172 लोग कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं. वहीं दिल्ली में यह संख्या 10 लाख के पार जा चुकी है. हालांकि एक राहत की बात यह है कि इनमें से बहुत बड़ी तादाद में कोरोना रोगी स्वस्थ भी हुए हैं. अकेले दिल्ली में ही 8.90 लाख से अधिक कोरोना रोगी स्वस्थ हुए हैं. वहीं देश भर में सबसे अधिक लोग महाराष्ट्र में कोरोना पॉजिटिव हुए हैं. यहां कोरोना पॉजिटिव होने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या 42 लाख 28 हजार 836 है. दिल्ली सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, दिल्ली में अभी तक कुल 10,04,782 व्यक्ति कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं. इनमें से अभी तक 13,898 व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है. दिल्ली में कोरोना से होने वाली मृत्यु दर 1.38 फीसदी है. चिंता का विषय यह है कि दिल्ली में कोरोना के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा हर रोज बढ़ता जा रहा है. बीते 24 घंटे के दौरान दिल्ली में कोरोना से 357 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है. दिल्ली में कोरोना से होने वाली मृत्यु का यह एक नया रिकॉर्ड है. दिल्ली समेत देश के 7 राज्य ऐसे हैं जहां अभी तक 10 लाख से अधिक लोग कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं. केरल में 13,77,186 व्यक्ति अभी तक कोरोना पॉजिटिव हुए हैं.

दिल्ली में और एक हफ्ते के लिए बढ़ा लॉकडाउन, अब 3 मई तक रहेगी पाबंदी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते कहर को देखते हुए राजधानी दिल्ली में जारी लॉकडाउन को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया है। इस लॉकडाउन की अवधि अब अगले सोमवार यानि 3 मई की सुबह तक रहेगी। रविवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस बात की घोषणा की। बता दें कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर 36 फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सरकार लॉकडाउन की अवधि को एक हफ्ते के लिए बढ़ाया गया। रविवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने एक पोर्टल शुरू किया है जो ऑक्सीजन की आपूर्ति के बेहतर प्रबंधन के लिए ऑक्सीजन निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और अस्पतालों द्वारा हर दो घंटे में अपडेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय और राज्य की टीमें एक साथ काम कर रही हैं। आपको बता दें कि दिल्ली में लॉकडाउन के दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। मेडिकल व्यवस्थाओं की और खाने-पीने की सेवाएं भी जारी रहेंगी। इसी दौरान शादियां भी होंगी वो भी 50 लोगों की अनुमति के साथ। इन सभी लोगों के लिए अलग से पास दिए जाएंगे। आपको बता दें कि शनिवार को रिकॉर्ड 357 कोरोना संक्रमित लोगों ने दम तोड़ा। इसी दौरान 24,000 से अधिक नए मामले सामने आए। दिल्ली में लोगों के संक्रमित पाए जाने की दर 32.27 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में एक्टिव मामलों की संख्या एक लाख के करीब पहुंच रही है। राष्ट्रीय राजधानी में अभी 93,080 एक्टिव केस हैं।

पांच दिन में एक लाख से अधिक लोगों ने कोरोना को मात दी-दिल्ली में बीते पांच दिन में जहां कोरोना के एक लाख मामले सामने आए हैं, वहीं दूसरी ओर इस दौरान संक्रमण को मात देने वालों की संख्या भी लाख के पार पहुंच गई है।

नरेंद्र मोदी के निर्देश पर ऑक्सीजन प्लांट के लिए पीएम केयर्स से फंड आवंटित

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर बेकाबू हो चुकी है, जो अब सुनामी में तब्दील होती नजर आ रही है. कोरोना की रफ्तार से हाहाकार मचा हुआ है. आलम यह है कि देश में कोविड संक्रमण के मामले हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं. रविवार को दैनिक मामलों में भारत ने फिर नया रिकॉर्ड बनाया है. पिछले 24 घंटे में भारत में साढ़े तीन लाख कोरोना के नए मरीज मिले हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. इसके अलावा देश में एक दिन में 28 सौ के करीब मरीजों ने जान गवां दी है.

1.03- अस्पतालों में दवाओं से लेकर ऑक्सीजन की भारी कमी है. इस बीच देश में 551 डेडिकेटेड प्रेशर स्विंग ऐड्सॉर्पशन मेडिकल ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाने के लिए पीएम केयर्स-से फंड आवंटित किया गया है.

दिल्ली में बढ़ाया गया लॉकडाउन-12.05- दिल्ली में कोरोना वायरस से मचे हाहाकार के चलते लॉकडाउन को अगले सोमवार तक बढ़ा दिया गया है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा की है.

भोपाल में 20 रेलवे कोच को आइसोलेशन कोच में तब्दील किया गया-10.35-कोरोना मरीज़ों के लिए भोपाल में 20 रेलवे कोच को आइसोलेशन कोच में तब्दील किया गया है. भोपाल के डीआरएम ने बताया कि हम ऐसे 20-20 कोच हबीबगंज और भोपाल स्टेशन पर रखने वाले हैं. इन कोच में हमने अस्पताल के वार्ड की तरह सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

सबमें फैलाऊंगा कोरोना...

जानबूझकर इस शख्स ने 22 लोगों में फैलाया वायरस

यूरो न्यूज के मुताबिक, कोरोना वायरस के लक्षण होने और आरटी-पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद भी यह आदमी सामान्य जीवन जीता रहा। उसके ऑफिस के सहकर्मियों ने पुलिस को बताया कि वह 40 डिग्री सेल्यियस बुखार में ही काम करने जाता था।

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कहर से पूरी दुनिया जूझ रही है। चारों तरफ तबाही का मंजर देखने के बाद भी कुछ लोग जानबूझकर अपनी हरकतों से खुद की जिंदगी तो खतरे में डाल ही रहे हैं, दूसरों को भी मौत के मुंह में धकेलने से बाज नहीं आ रहे। दरअसल, स्पेन में 40 वर्षीय एक शख्स को 22 लोगों में कोरोना संक्रमण फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्पेन की पुलिस ने जानकारी दी कि मलोर्का शहर से शनिवार को इस 40 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया गया है। यह शख्स कोरोना पॉजिटिव है और उसने जानबूझकर 22 लोगों में कोरोना फैलाया है। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। यूरो न्यूज के मुताबिक, कोरोना वायरस के लक्षण होने और आरटी-पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद भी यह आदमी सामान्य जीवन जीता रहा। उसके ऑफिस के सहकर्मियों ने पुलिस को बताया कि वह 40 डिग्री सेल्यियस बुखार में ही काम करने जाता था। पुलिस ने बताया कि उसने अपने वर्कप्लेस यानी दफ्तर में जोर से खांसी की, अपने चेहरे से मास्क हटाया और लोगों से बोला कि वह सबको कोरोना वायरस फैलाएगा। पुलिस ने बताया कि उसने आठ लोगों में प्रत्यक्ष तौर पर कोरोना संक्रमण फैलाया, जबकि उससे 14 और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कोरोना हुआ। पुलिस के मुताबिक, उसके जरिये जिन लोगों को कोरोना हुआ है, वह उनके दफ्तर और जिम के लोग हैं। हैरानी का बात यहां यह है कि जिन लोगों को इस शख्स से कोरोना हुआ है, उनमें से तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र अभी महज एक साल ही हैं। बता दें कि स्पेन में भी कोरोना का कहर काफी ज्यादा देखा गया।

एक नजर...

बारदात की नीयत से अधिया लिए घूम रहे दो युवकों को लहार पुलिस ने पकड़ा

थाना प्रभारी कुशल सिंह भदौरिया के निर्देशन में उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाह की कार्यबाही

लहार(अर्पित गुप्ता)। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में एबम लहार एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल के निर्देशन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत थाना प्रभारी लहार कुशल सिंह भदौरिया के निर्देश पर उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाह ने दो अधिया धारी युवकों को मुखबिर की सूचना पर धर दबोचा। उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाह ने जानकारी देते हुए बताया ने कि लहार पुलिस अपने कोरोना काल के डेली रूटीन के तहत क्षेत्र में गश्त पर थी, उसी दौरान मुखबिर के जरिये सूचना मिली। कि दो युवक अधिया लिए बारदात की नीयत से खड़े है मुखबिर की सूचना की तुरंत तस्तीक की गई मुखबिर के बताए स्थान पर एक टीम गठित कर भेजी गई और पुलिस जैसे ही मुखबिर के बताए स्थान पर पहुँची तो पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने की कोशिश की पर पुलिस की घेराबंदी के चलते भागने में नाकामयाब रहे और पकड़े गए जिन्होंने पूंछतांछ में अपना नाम छोटे एवम काका थाना लहार का होना बताया को पकड़कर तलाशी ली गई तो छोटे के पास से एक 315 बोर की अधिया एवम चार कारतूस पकड़े जिस पर लहार थाने में अपराध क्र.190/21 में धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत एवम काका पर एक 315 बोर की अधिया एवम पांच कारतूस पकड़े जिस पर लहार थाने में अपराध क्र.191/21 में धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया लहार पुलिस की इस कार्यबाही में उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाह,उपनिरीक्षक आदिल खान,आरक्षक नीरज सिकरवार, सुभाष जाट,देवेश एवम बिशाल मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

किराना, मेडिकल, सब्जी, दूध की दुकानों का निरीक्षणकर की कार्यवाही

नीरज त्रिपाठी ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।कलेक्टर द्वारा गठित दल द्वारा आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं दरों का निरीक्षण दिनांक24अप्रेल को औषधि निरीक्षक श्रीमती आकांक्षा गरुण, नाप तोल निरीक्षक श्रीमती निधि श्रीवास्तव,खाद सुरक्षा अधिकारी अवनीष गुप्ता, कनिष्क आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार मुदगल द्वारा किराना, मेडिकल, सब्जी, दूध, आदि दुकानों पर संयुक्त रूप से श्रियांस किराना स्टोर इटावा रोड़, घर गृहस्थी किराना स्टोर पुस्तक बाजार, दीपक किराना स्टोर अटेर रोड़, रामजीलाल किराना स्टोर इटावा रोड़, संतोष किराना स्टोर इटावा रोड़, कृष्णा मेडिकल स्टोर इटावा रोड़, भगवान मेडिकल स्टोर इटावा रोड़, बालाजी मेडिकल स्टोर इटावा रोड़, ज्ञसव मेडिकल स्टोर इटावा रोड़, आदि का निरीक्षण किया गया जिसमें अनिमितता पाए जाने पर निम्नानुसार कार्यवाही की गई हैं।दीपक किराना स्टोर अटेर रोड़ पैकेटों पर लेबल अंकित नहीं पाया गया कार्यवाही करने वाले अधिकारी श्रीमती निधि श्रीवास्तव, घर गृहस्थी किराना स्टोर पुस्तक बाजार चना दाल नमूना लिया गया पैकेटो पर लेबल अंकित नहीं पाया गया कार्यवाही करने वाले अधिकारी श्रीमती निधि श्रीवास्तव एवं अवनीष गुप्ता, कृष्णा मेडिकल स्टोर पुरानी गल्ला मंडी मेडिकल संचालक द्वारा लाइसेंस प्रस्तुत नहीं करने के कारण मेडिकल शील्ड किया गया कार्यवाही करने वाले अधिकारी श्रीमती आकांक्षा गरुण।अधिकारियों द्वारा जिले में दुकानों के निरीक्षण से हड़कंप मचा हुआ है।

पुलिस, राजस्व एवं नपा की टीम द्वारा कोरोना कर्फ्यू का पालन कराया गया

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुना। कोविड-19के बढ़ते खतरे को देखते हुए शासन के गाइड लाइन के अनुसार जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस, राजस्व एवं नगर पालिका द्वारा संयुक्त रुप से नगर में भ्रमण कर कारोना कर्फ्यू का पालन कराया गया। आज इस दौरान कारोना कर्फ्यू के आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध दुकानें सील करने करने के साथ ही चालानी कार्रवाई भी की गई। संयुक्त टीम द्वारा व्यवसायियों से प्रतिष्ठान बंद रखने के साथ ही बेवजह घर से बाहर निकले लोगों को घर से बाहर नही निकलने की समझाईश भी दी गयी।

एसपी ने 10 लोगों में शादी करने वालों के लिए की अनूठी पहल की शुरुआत

भिण्ड(अर्पितन गुप्ता)। कोरोना सकंट काल में चल रहे लॉकडाउन में शादी समारोह में कम भीड़ जुटे उसके लिए भिंड पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह ने एक नई पहल शुरू की है। शादी में सिर्फ 10 लोगो की मौजूदगी में शादी करने पर दूल्हा-दुल्हन को एसपी अपने बंगले पर एक डिनर पार्टी देगे। इस दौरान एसपी अपने परिवार के साथ मौजूद भी रहेंगे। दूल्हा-दुल्हन को लेने शादी के कार्यक्रम स्थल पर सरकारी वाहन जाएगा। इतना ही नही जिला प्रशासन की तरफ से ऐसे नव दंपति को सम्मानित भी किया जाएगा। दरअसल लॉकडाउन में भिंड के युवक-युवतियां अपनी शादी को यादगार बना सकते है। एसपी मनोज सिंह ने दूल्हा-दुल्हन से आव्हान करते हुए कहा है की लॉकडाउन में शादी करने पर 10 लोगो की मौजूदगी रहेगी तो ऐसे दूल्हा-दुल्हन को एसपी के बंगले पर एक डिनर पार्टी दी जाएगी। कोरोना महामारी की वजह से लोगो की शादिया फीकी पड़ गई। जिला प्रशासन के अधिकारी कोरोना

संक्रमित को ध्यान में रखते हुए शादी समारोह में वर पक्ष से 5 और वधु पक्ष से 5 लोग यानी दोनो की तरफ से कुल 10 लोगो के साथ वैवाहिक संस्कार पूरे करने की अपील कर रहे है। इस दौरान एसपी मनोज सिंह द्वारा एक अनूठी पहल की गई है। दस लोगो के साथ शादी समारोह पूरा करने बाले वर-वधु को अपने बंगले पर बुलाने के लिए सरकारी वाहन भेजेंगे। इसके साथ पायलट वाहन वर-वधु को फॉलो करेगा। यह वाहन शादी समारोह से वर-वधु को लाकर एसपी के बंगले पर ले जाएगा। यहां डिनर वर-वधु भिण्ड एसपी के परिवार बालो के साथ करेगा। इसके बाद वाहन पुनः शादी के कार्यक्रम स्थल पर छोडकर आएगा। भिण्ड एसपी की यह पहल रोमांचिक करने बाली है। वही कलेक्टर का कहना है कि कोविड संक्रमण रोकने के लिए एक मात्र उपाय है। कि खुद के जीवन को बचाने व अपने परिवार के जीवन को बचाने के लिए अगर शादी के सीजन में वर बधू सिंपल सा पांच दस लोगो की मौजूदगी में शादी कर ले वह वाकय में बहुत लोगो के जीवन को बचाने में कारगर साबित होगा। ऐसे लोगो को हम भी सम्मानित करेंगे कोविड संक्रमण से बचना है तो हम भीड़ में शामिल न हो वह देश के प्रति भागीदारी है। कलेक्टर सतीश कुमार एस ने लोगो अपील की है कि आजकल बहुत सारे तकनीकी उपाए है व्हाट्सप, जैसे तकनीकी उपाए पर वर वधु को आशिर्वाद ने सकते है।

मिहोना कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने बाले 5 दुकानदारों पर मिहोना पुलिस की कार्यबाही

उल्लंघन करने बाले को किसी भी हालत में बक्सा नही जायेगाः संजय सोनी

लहार(अर्पित गुप्ता)। कलेक्टर सतीश कुमार एबम पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में एवम एस.डी.एम लहार आर.ए प्रजापति एवम एस.डी.ओ.पी लहार अवनीश बंसल के कुशल मार्गदर्शन में मिहोना थाना प्रभारी संजय सोनी ने बरिष्ठ अधिकारियों के साथ नगर भृमण किया जिसमें भिंड जिले में लगी धारा 144 एवम कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघल करते पाये जाने बाले पांच दुकानदारों 1.मोनू करन 2.अंकित गुप्ता 3. नवीन रजक 4. रंजीत खटीक 5. रामकुमार खटीक समय सीमा के पश्चात ग्राहकों की भीड़ लगाकर फल बेच रहे थे एवम अनिल पुत्र रामसेवक गुप्ता अपनी स्पेलर की दुकान खोलकर ग्राहकों को समान देता पाया गया सभी दुकानदार धारा 144 का उल्लंघन करते पाए गए। फलस्वरूप सी.एम.ओ मिहोना के प्रतिवेदन पर सभी दुकानदारों पर थाना मिहोना में धारा 188 ,269,270 भादवि के तहत मामला दर्ज कर प्रकरण बिबेचना में लिया गया ।

जिले में कोरोना की चेन तोड़ने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के की टीम गठित

मुरैना से गौरव शर्मा की रिपोर्ट

जिले में शादी विवाह के सीजन है। इस संबंध मे कलेक्टर श्री कार्तिकेयन के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों की टीम गठित की है । यह टीम शादी विवाह समारोह में पहुंच कर वाल विवाह न हो इसकी निगरानी करेगी। जो लोग नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। एसडीएम मुरैना ने जारी निर्देशों के तहत बताया कि परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास मुरेना, परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास ग्रामीण मुरैना और एकीक्रत बाल विकास अधिकारी ग्रामीण बानमोर इस कार्य के लिए नियुक्त किये है। शादी विवाह में भ्रमण कर निर्धारित आयु से कम विवाह होते पाये जाने पर नियमो के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

कोरोना कर्फ्यू के दौरान दुकान खोलने पर तीन व्यापारियों पर 188 की कार्यवाही

गोहद। भिण्ड कलेक्टर सतीश कुमार एस के द्वारा जिले में 30 अप्रैल तक कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए कोरोना कर्फ्यू के तहत धारा 144 के अन्तर्गत सम्पूर्ण जिले में निषेधाज्ञा लागू की गई है। इसी के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई हेतु सुबह 7ः00 बजे से 11ः00 बजे तक दूध, फल, सब्जी आदि की दुकानें खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। परंतु कुछ व्यापारियों के द्वारा निर्धारित समय सीमा के बाद भी प्रतिष्ठान खोले जाने पर प्रशासन के द्वारा कार्यवाहियां भी की जा रही है। इसी के अंतर्गत आज गोहद चोराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोहद चौराहा स्टेशन रोड पर राजू उर्फ राजकुमार पुत्र रामस्वरूप अग्रवाल निवासी स्टेशन रोड के द्वारा किराना की दुकान खोल कर भीड़ एकत्रित कर सामान बेचा जा रहा था। स्टेशन रोड पर ही रात्रि 8ः00 बजे रामदत्त पुत्र

रामचरण कुशवाह निवासी रघुनाथ सिंह का पुरा के द्वारा दूध डेरी की दुकान खोल कर भीड़ एकत्रित कर सामान बेचा जा रहा था। स्टेशन रोड पर ही रात्रि 8ः00 बजे राज किराना स्टोर का संचालक राज कुमार जाटव पुत्र फूल सिंह जाटव निवासी पिपाहणा के द्वारा दुकान खोल कर भीड़ एकत्रित की जा रही थी जिससे कोरोना महामारी फैलने का खतरा उत्पन्न हो रहा था। तीनों व्यापारियों पर कोरोना कर्फ्यू में प्रतिष्ठित खोलने पर गोहद चोराहा थाना प्रभारी गोपाल सिंह सिकरवार के द्वारा 188 की कार्रवाई की गई। तथा राजकुमार जाटव पुत्र फूल सिंह जाटव की राज किराना स्टोर की किराना की दुकान तहसीलदार रामजी लाल वर्मा के द्वारा सील्ड की गई। गोहद मौ रोड पर भी दो दुकानें शील्ड- मौ रोड नया बस स्टैंड गोहद के पास एचाया रोड के सामने ऋषीश्वर ऑटो पार्ट्स, एवं साईं बाबा सर्विस सेंटर मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकानें खुली पाई जाने पर दोनों दुकानों को सील्ड किया गया। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार रामजी लाल वर्मा, थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह कुशवाह सहित राजस्व विभाग के पटवारी एवं गोहद थाने का पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

मेहगांव सब्जी मंडी में लगी भीषण आग, बताया जा रहा है कि पच्चीस दुकानें जलकर हुई खाक हो गई हैं

बृजपाल सिह गुर्जर पुष्पाजली टुडे

मेहगॉव। आज रात को सब्जी मंडी में भीषण आग लगने से 25 दुकाने खाक बताया जा रहा है कि किसी शॉर्ट सर्किट के कारण मेहगॉव सब्जी मंडी मे इतनी भीषण आग लगेगी 25 की दुकानों में से एक भी दुकान नहीं बची सारी दुकाने साफ हो गई उसमे रखी फल सब्जी पूरी नष्ट ऐसे संकट की घड़ी में कौन है व्यापारियों की मदद करने के लिए सरकार को गरीब मजदूर विचारे जो अपनी रोजी-रोटी इसी दुकान के सहारे चलाते थे अब उनका वह भी आशियाना चला गया है इतनी विषण आग लगी कि आसपास की जनता मैं दहशत का माहौल था फायर ब्रिगेड ना कोई शासन की मदद मिलने के कारण सब्जी मंडी भी पूरी तरह ध्वस्त गरीब मजदूर जो सब्जी मंडी में अपना व्यापार कर कर अपना और अपने परिवार का पेट पाल रहे थे अब उनका आशियाना सिर्फ यह दुकान थी।

वह भी नष्ट हो गई अब अपना और अपने परिवार का गुजारा करेंने का एक ही जरिया था वह जरिया जलकर हुआ खाक आक्रोशित व्यापारियों ने मेहगांव एसडीएम महेश कुमार बडोले के बंगले के सामने विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की तब एसडीएम साहब बंगले से बाहर निकले और व्यापारियों को अनुशासन दिया कि आपको जो मध्य प्रदेश सरकार के नियमानुसार सहायता राशि नियुक्त की जाएगी वह आपको 3 दिन की अवधि के साथ प्राप्त करा दी जाएगी पटवारी जी करेंगे इसकी जांच जो भी कागज कार्यवाही पूर्ण होते ही आप को सहायता राशि प्राप्त करा दी जाएगी व्यापारियों ने आरोप लगाया था कि एसडीएम साहब नाइट में अगर हमें सहायता दे देते फायर ब्रिगेड टाइम पर आ जाती तो शायद इतना नुकसान नहीं होता दुकानें हुई खाक जब विरोध किया सोई हुई सरकार को जगाने के लिए व्यापारियों अपनाना पड़ा विरोध का रास्ता कोविड-19 के संकट से व्यापारी और आम लोग वर नहीं पा रहे हैं वैसे मैं एक और नई आपदा व्यापारियों के ऊपर आ गई मेहगांव पुलिस प्रशासन व्यापारियों की हर संभव मदद करने में खड़ा देखा रात को हर संभव प्रयास किया आग को बुझाने के लिए।

सांई स्व-सहायता समूह ने आपदा प्रबंधन समिति का किया गठन

मुरैना। सांई सहारा ग्राम संगठन और सांई कृपा स्व-सहायता समूह ने यह निर्णय लिया है कि कोविड-19 एक प्राकृतिक आपदा है। जिसकी प्रताड़ना से सभी पीड़ित है और इस महामारी से बचने-बचाने की जवाबदेही जितनी सरकार की है, उतनी ही हमारी भी है। इसके लिए संगठन और समूह ने सर्व सम्मति से निर्णय लिए है क्यों ना आपदा प्रबन्धन समिति ग्राम स्तर पर बना कर सेवा कार्य किया जाए। जिससे यदि कोई पॉजिटिव आ जाए तो प्राथमिक सहायता हेतु तुरंत सहयोग कर सके, जिससे हमारे समुदाय को परिस्थितियों से मुकाबला करने में हिम्मत मिल सके। साथ ही उनका मनोबल भी कमजोर ना हो, क्योंकि कोरोना के खिलाफ जंग सिर्फ सरकार की ही नहीं हम आमजन की भी है। इस आशय पर चर्चा करते हुए ग्राम संगठन की अध्यक्षा श्रीमती आराधना सिंह धाकड़ ने कहा कि आपदा प्रबन्धन समिति में तीन लोग रहेंगे। सामाजिक समिति भी कहलाएगी, जिसमें सुनीता धाकड़, कमलेश धाकड़, रबिता शाक्य को शामिल किया गया है। समूह या ग्राम संगठन के द्वारा बनाया गया आपदा प्रबन्धन समिति यह जिले की पहली इस प्रकार की समिति है, जो पहाड़गढ़ ब्लॉक में गठित हुई है। ग्राम के अन्तर्गत कोई भी कोविड आता है तो समिति पूरी सुरक्षा के साथ उस व्यक्ति के घर तक पहुंचेगी और उसे प्रारंभिक उपचार के नुश्खे बतायेगी। जहां तक है कि मरीज पॉजीटिव होने के बावजूद भी योग, प्राणायाम जैसे आसन को करने से स्वतः की 7 दिन में ठीक हो जायेंगे।

जिले के मंदिरों पर जुट रहा है श्रद्धालुओं का जमावड़ा, जो भविष्य में बन सकते हैं हॉट स्पोट, प्रशासन को लेना होगा संज्ञान

चोरी छिपे शादियों में जुट रही है भीड़, कैसे हरा पायेंगें इस कोरोना महामारी को, आज का सबसे बड़ा सबाल, यह धोखा जिला प्रशासन को नहीं आपने आपको दे रहो हो, कोरोना की दूसरी लहर नहीं सुनामी हैं, जिसमें जो बच गया वह सबसे बड़ा गोड मेडलिस्ट है

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने जहाँ भारत की चिकित्सा यानि मेडीकल व्यवस्था को झकझौर दिया है, चारों तरफ चीख-पुकार की तबाही ही मची हुई है, इससे साफ लगता है कि इस महामारी की दूसरी लहर नहीं सुनामी हैं, देश-प्रदेश-भिण्ड के जिला चिकित्सालयों में भर्ती करोनो मरीजों को ऑक्सीजन न मिलने का मामला गंभीर होता जा रहा है, खासकर ऑक्सीजन की कमी की वजह से लगातार हो रही मौत से महामारी की गंभीरता और बढ़ती जा रही है, अब इस मुद्दे पर हर प्रदेश के न्यायालय भी गंभीर हो गये हैं, उन्होंने बिगड़ी व्यवस्था व ऑक्सीजन की कमी पर नाराजगी जताते हुये व्यवस्था को जल्द सुधारने के निर्देश दिये हैं।

जानकारी के अनुसार जिले में प्रथम लहर में जिस प्रकार से जनमानस गंभीर था, हर जिला प्रशासन की हर गाइडलाईन का पालन किया, हर व्यक्ति घरों में कैद रहा, लेकिन धीरे-धीरे कोरोना महामारी को लोगों ने मजाक बना लिया, लोग कहने लगे, इस प्रकार के जुकाम खाँसी तो प्रतिवर्ष होते रहते हैं, लेकिन उसी के चलते दूसरी लहर इस प्रकार से बरष रही है कि इस लहर ने सारी व्यवस्थायें ही बिगाड़ दी हैं, हर कोई दूसरी लहर को मजाक समझ रहा है, लेकिन सत्यता यह है कि जिसको हो गया वह बीमारी समझ रहा है, और जिसको यही बीमारी नहीं लगी वह हाँसियें पर लिये हुये हैं, यह दूसरी लहर सुनामी की तरह है, जो लपेड़े में आ गया, वह फँस गया। इसलिए इस महामारी में जो बच गया वह सबसे बड़ा गोड लिस्ट है। उपरोक्त उद्धार बिहारी स्कूल के संचालक एवं समाजसेवी राजेश शर्मा ने कहा।

जिले के मंदिरों में जुट रहा है श्रद्धालुओं का जमावड़ा–जानकार बताते हैं कि जिले के मंदिर वो चाहे किसी भी धर्म के हों, सभी मंदिरों में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का आना-जाना भारी संख्या में हो रहा है, यह सबसे बड़ी समस्या है, जो भविष्य में हॉट स्पॉट बन जायें तो कोई अतिश्योक्ति न होगी, समय रहते जिला प्रशासन को अपील करनी चाहिए कि जिले के सभी सिद्ध मंदिरों पर कम ही संख्या में लोग अभी दर्शन करने के लिए जायें, क्योंकि महामारी का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है।

गाइडलाईन हवा हवाई में, चौरी छिपे शादियों में जुट रहा है आवाम–जिला प्रशासन के द्वारा दी गई गाईडलाईन को शादी रचाने वाले हवा हवाई में किये हुये हैं, 50 व 100 व्यक्तियों की संख्या की गाईडलाईन का हवाला देकर चौरी छिपे 500 से लेकर 1000 एक हजार व्यक्तियों का खाना परोसा जा रहा है, जिससे कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढने् की आशँका हैं, जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को इन शादी समारोह पर निरीक्षण करना चाहिए, ताकि समय रहते कोरोना महामारी को हाँसियें पर रखे हुये हैं उनके विरूद्ध कार्रवाई कर एक अच्छा संदेश दे सकते हैं।

धोखा प्रशासन को दे सकते हो लेकिन कोरोना महामारी को नहीं–कोरोना की दूसरी लहर में जहाँ पूरा भारत हिल गया है, लेकिन भिण्ड जिले के निवासी आज भी इस महामारी को हल्के में लिये हुये हैं, शादी समारोह से लेकर भीड़ भरे कार्य कर धोखा प्रशासन को तो दे सकते हो, लेकिन कोरोना जैसी खतरनाक महामारी को नहीं, जो संक्रमित हो गया, वही जानता है इस महामारी के बारे में, इसलिए महामारी पर सभी लोग सीमित संख्या में ही अपने आयोजन करें, तथा सभी लोग मॉस्क तथा सेनेटाईजर एवं दो गज की दूरी का पालन करें, तभी हम सब मिलकर कोरोना जैसी महामारी को हरा पायेंगें।

एक नजर...

शोक सभा में स्वर्गीय निरीक्षक अनिल कुमार भदौरिया को दी गई श्रद्धांजलि

एटा। जनपद में उस समय पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई जब पता लगा कि उनका एक साथी कोरोनावायरस की वजह से इस दुनिया में नहीं रहा। जिसके चलते जनपद के हर थाने में अपने पुलिस साथी की आत्मा को शांति देने के लिए मौन रखकर उन्हें याद किया गया। आपको बता दें जनपद अपराध शाखा में तैनात निरीक्षक चुनाव ड्यूटी के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे। इसके बाद उनका उपचार एक निजी अस्पताल आगरा में किया जा रहा था, लेकिन वह बीमारी से लड़ते हुए जिंदगी की जंग हार गए। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह द्वारा,पुलिस लाइन परिसर में शोक सभा कर स्व0 निरीक्षक अनिल कुमार भदौरिया की आत्मा की शांति के लिए कोविड 19 की गाइडलाइंस का पालन करते हुए पुलिस कर्मचारी व अधिकारीगणों सहित 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही जनपद के प्रत्येक थाने एवं कार्यालयों पर भी 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर में कोविड 19 टीकाकरण का अभियान चलाकर प्रतिदिन लगभग 100 लोगों को लगाई जा रही वैक्सीन

जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर में कोविड 19 टीकाकरण अभियान में प्रतिदिन लगभग 100 लोगो को वैक्सीन लगाई जा रही है। जिसमें मऊरानीपुर नगर व क्षेत्र के लोग बढ़ चढ़ कर कोविड 19 वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंच रहे हैं। इस मौके उज्ज्वल भारत अभियान के जिला उपाध्यक्ष अनिल डेंगरे ने अपने माता पिता के ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के बाद पिता प्रह्लाद डेंगरे और माता श्रीमती विमला डेंगरे को कोविड 19 वैक्सीन का पहला डोज लगवाया। जिसमें अनिल डेंगरे ने बताया की मेरे माता पिता को कोविड वैक्सीन लगने के बाद उनको किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या नहीं हुई। और दोनों स्वास्थ है। और बताया की बढ़ते कोरोना के कहर के चलते ग्राम मऊदेहात में कोविड 19 वैक्सीनेशन टीकाकरण के लिए सभी लोगों को जागरूक करेंगे और अपॉइंटमेंट बुकिंग भी निशुल्क करेंगे। दो गज दूरी मास्क है जरूरी का संदेश जन जन तक पहुचायेंगे।

होम क्वारंटाइन पॉजीटिव व्यक्ति के परिजन घर से बाहर निकलें तो होगी कार्रवाही - कलेक्टर

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को अंबाह मुख्यालय का दौरा किया

मुरैना। कलेक्टर श्री बी. कार्तिकेयन एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार पाण्डेय ने शनिवार को अम्बाह मुख्यालय पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके द्वारा जनपद अंबाह के हॉल में सभी अधिकारियों की मीटिंग ली। मीटिंग के दौरान कलेक्टर श्री कार्तिकेयन ने बीएमओ अंबाह एवं खड़ियाहर के कोरोना के एक्टिव मरीजों के संबंध में जानकारी ली तथा होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों से किस प्रकार संपर्क किया जा रहा है, उसके संबंध में संपूर्ण व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्री कार्तिकेयन द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जो भी व्यक्ति कोरोना के लक्षण से प्रभावित हैं भले ही उसको टेस्ट नही हुआ है, उसे कोरोना के लिए दी जाने वाली दवाइयां प्रारंभ की जाए एसडीएम अम्बाह श्री राजीव समाधिया से कोरोना मरीजो के लिए मेडिकल दूध, राशन एवं सब्जियों की व्यवस्था के संबंध में अवगत कराया। कलेक्टर ने कहा कि क्षेत्र में कोरोना मरीज या उसके परिजन घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार पांडे ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया की सभी ग्राम एवं शहरों में लोग स्वतः जनता कर्फ्यू लगाएं। ग्राम में बाहर से आने वाले लोगों को प्रवेश ना मिले यह सब ग्रामवासी मिलकर तय करें तभी कोरोना वायरस को नियंत्रित किया जा सकता है इसके उपरांत सभी अधिकारी अंबाह में बनाए गए कोविड केअर सेंटर भ्रमण किया एवं संबंधित अधिकारियों को खाने एवं रहने की समस्त मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहर के वार्ड क्रमांक 8 समाधिया कॉलोनी एवं वार्ड क्रमांक 10 गुरुद्वारा मोहल्ला में भी कलेक्टर एवं एसपी के द्वारा कोरोना मरीजो के घर जाकर उनका हालचाल जाना और एसडीएम एवं एसडीओपी को माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने के लिए व्यवस्थाएं करने हेतु निर्देशित किया इसके उपरांत अधिकारी द्वय ग्राम सिकरोड़ी में लोगों की व्यवस्था देखने गए जहां ग्राम वासियों ने बाहर से आने वाले लोगों को प्रतिबंधित किया है जनपद मीटिंग हॉल में एसडीएम राजीव समाधिया एसडीओपी अशोक जादौन तहसीलदार अंबाह राजकुमार नागोरिया तहसीलदार पोरसा नरेश शर्मा टी आई अंबा अशोक सिंह जादौन टीआई पोरसा श्री अतुल सिंह एवं बीएमओ अंबाह खड़ियाहार तथा सीईओ के साथ बीआरसी भी मीटिंग में उपस्थित थे।

कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए दिव्यांगजनों को कार्यालय में आने से छूट रहेगी

आयुक्त निःशक्तजन ने सभी विभागों और कलेक्टर को निर्देश जारी किए

मुरैना। आयुक्त निःशक्तजन, मध्यप्रदेश एवं राज्य नोडल अधिकारी ने प्रदेश के सभी कार्यालयों में दिव्यांगजन के कार्यालय में आने से छूट प्रदान करने संबधी निर्देश जारी किए है कि सभी जिला और अन्य कार्यालय में कोरोना संक्रमण से दिव्यांगजनों को बचाने के लिए छूट देने को कहा गया है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2018 प्रावधान के अनुसार संरक्षण एवं सुरक्षा के तहत दिव्यांगजनों को सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान किये जाने के लिये भारत सरकार दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त दिशा - निर्देशों के तहत आपके अधीन कार्यालय में पदस्थ दिव्यांग अधिकारियों, कर्मचारियों को लॉकडाउन के दौरान कार्यालय में उपस्थित होने में छूट प्रदान की जाने और विशेष आवश्यक होने पर ही उन्हें कार्यालय में बुलाया जाये तथा घर पर रहकर कार्य करने की सुविधा प्रदान की जाये। कोराना संक्रमण को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया गया है एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोरोना कोविड -19 संक्रमण से संभावित मरीजों की संख्या में निरंतर बढोत्तरी हो रही है। साथ ही मरीजों में सुधार भी हो रहा है। वर्तमान परिस्थिति में राज्य एवं जिला स्तर पर आवश्यकतानुसार कोरोना कर्फ्यू, लॉकडाउन लगाया जा रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण में दिव्यांगजनों के संक्रमित हो जाने का खतरा अधिक होता है।

बहुजन समाज परिवर्तन

आंदोलन के विचारक धिमंत नाहर सिंह का परिनिर्वाण

राहुल कुमार जिला रिपोर्टर की रिपोर्ट

आगरा। धीमंट श्याम सुंदर जी नेशनल ट्रेनर एवं धिमंत एम.एस. निमेश मंडल कोऑर्डिनेटर (पीवीएसपी) आगरा की सूचना के आधार पर बहुजन समाज के लिए यह अत्यंत दुख का संदेश है की बहुजन समाज के प्रति संवेदनशील श्रद्धेय नाहर सिंह जी पुत्र लेट राजारामजी निवासी 104 बांग्ला धाम ओल्ड ईदगाह कॉलोनी आगरा का दिनांक 22 अप्रैल 20 21 समय साईं 4ः00 बजे परि निर्माण हो गया है आप एलआईसी के मंडल कार्यालय आगरा में विकास अधिकारी के पद पर विद्यमान थे आपका जन्म 12 जुलाई1965 में मैनपुरी जिला उत्तर प्रदेश में हुआ था आपने अपने जीवन के लगभग 25 वर्ष बहुजन समाज के लिए समर्पित किए हैं नाहर सिंह जी अति बहादुर निर्भीक, स्स्ड्क्श्स्श्स्स्, बुद्धिशाली ,बहुजन विचारक, कठोर अंबेडकरवादी, सहयोगी एवं जाति शास्त्र के शोधक व्यक्ति थे बहुजन समाज के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध हमेशा न्याय

एवं तर्कसंगत की लड़ाई लड़ने वाले आवाज उठाने वाले बहुजन समाज में जन्मे आगरा के एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे आप 2017 से महानायक काशीराम स्कूल ऑफ थिंकिंग जलगांव महाराष्ट्र द्वारा संचालित समाज ऋण भुगतान कार्यक्रम के अंतर्गत नेशनल सेक्रेट्री की हैसियत से सामाजिक परिवर्तन आंदोलन चला रहे थे जो आज उनके कठोर अथक एवं अनवरत प्रयासों से देश के लगभग 12 से 15 राज्यों में नेटवर्क फैला चुके है । धीमंत नाहर सिंह जी ने अपनी सरकारी नौकरी के साथ-साथ सामाजिक संगठनों जैसे बामसेफ, छ्स्-4, संयुक्त संघर्ष मोर्चा, भीम आर्मी जैसे राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण संगठनों में भी अपनी पूर्ण बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया है।

वर्तमान समय में वे पे बैक टू द सोसाइटी प्रोग्राम के माध्यम से बहुजन समाज के महापुरुषों की विचारधारा को पूरे देश में प्रचार प्रसार कर रहे थे यह उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य था। हम सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी उनके द्वारा समर्पित कार्य के प्रति अति आभारी एवं दृढ़ संकल्पित रहेंगे एवं उनके यहीं पर छूटे हुए कार्य को पूरा करने का आगे ले जाने का संकल्प लेते हैं संपूर्ण समाज उनके चित् एवं शांति के लिए तथागत बुद्ध से प्रार्थना करता है कि उनको एवं उनके परिवारी जनों, मित्रों को इस दुख और बेदाना की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तब ही हम संपूर्ण बहुजन समाज की और से धिमंत नाहर सिंह जी को शत शत आदरांजली एवं श्रद्धांजलि होगी।

1- धिमंट श्याम सुंदर जी नेशनल ट्रेनर (पीबीएसपी) आगरा।

2- धिमांत एम. एस. निमेश मंडल कोऑर्डिनेटर (पीबीएसपी) आगरा

खण्डवा जिले की जेतापुर कलां व सोनगांव खुर्द पंचायत को मिला राष्ट्रीय पंचायत पुरूस्कार

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

खण्डवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 प्रदान किए गए। इस अवसर पर उन्होंने स्वामित्व योजना के अंतर्गत ई-संपत्ति कार्डों के वितरण का शुभारंभ भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने निवास से वर्चुअली सम्मिलित हुए। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय पंचायत राज मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 के अंतर्गत पुरस्कार प्राप्त पंचायतों के बैंक खातों में पुरस्कार की राशि अनुदान सहायता के रूप में सिंगल क्लिक से हस्तांतरित की। कार्यक्रम में 224 पंचायतों को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार, 30 ग्राम पंचायतों को नानाजी देशमुख राष्ट्रीय

गौरव ग्राम सभा पुरस्कार, 29 ग्राम पंचायतों को ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार, 30 ग्राम पंचायतों को बच्चों के अनुकूल ग्राम पंचायत पुरस्कार और 12 राज्यों को ई-पंचायत पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रदेश की इन पंचायतों को मिले। पुरस्कार राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के अंतर्गत प्रदेश में दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार श्रेणी में जिला पंचायत बैतूल, जनपद पंचायत जावरा तथा सीहोर , ग्राम पंचायत जेतापुर कला व सौनगाँव खुर्द (खण्डवा), ग्राम पंचायत पवार चौहान (सीधी), डोडाका (उमरिया), भैसोदा (भोपाल), मेहतवाड़ (सीहोर), सावन (नीमच), सीहोदा व बिलखारवा (जबलपुर), बघवारी (सीधी) और कुंडा (धार) को पुरस्कार राशि जारी की गई। नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार ग्राम पंचायत निपानियासूखा (भोपाल) को ग्राम पंचायत विकास पुरस्कार शिवपुर (होशंगाबाद) को तथा बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार पंवार चौहान (जिला सीधी) को मिला। इन ग्राम पंचायतों को पुरस्कार राशि सिंगल क्लिक से जारी की गई है।

मास्क न पहनने पर 241 लोगों पर 36200 रुपए का हुआ जुर्माना

एटा । जनपद में रविबार को कोविड-19 की गाइडलाइंस के अनुसार मास्क न पहनने वाले व्यक्तियों के चेकिंग अभियान में 241व्यक्तियों को मास्क न पहने हुए पाए जाने पर 36200 रुपए का जुर्माना किया गया, साथ ही कोविड-19 से बचाव हेतु जागरूकता अभियान में जनपद भर में 73 गोष्ठियां आयोजित कर समस्त थानाध्यक्षों द्वारा जनसहयोग से 5475 मास्क वितरित किए गए हैं। जनपद में 558 नए कोरोना पोजिटिव रोगी पाए गए हैं, तथा 46 नए हॉटस्पाट घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही जनपद में कोरोना महामारी को लेकर शासन द्वारा लागू किए गए नियमों का समस्त क्षेत्राधिकारियों के पर्यवेक्षण में उनके अधीनस्थ थानाप्रभारियों द्वारा कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

दानवीर भामाशाह का किया अभिनन्दन

नारायणलाल सैणचा बैगलोर

तामीलनाडु। कोयंबतूर के समूचे प्रवासी तबके के जरूरतमंद परिवारों को मासिक राशन प्रदान करने की नार्थ इंडियन संगम के अध्यक्ष श्रवण बोहरा की पहल को अपने सामाजिक दायित्व के रूप में ग्रहण कर सम्पूर्ण योजना के लिए अर्थ सहयोग देने की घोषणा करने वाले आहोर प्रवासी कोयंबतूर निवासी पानी देवी जावन्तराज बागरेचा बागरेचा इंटरप्राइजेज वाले परिवार के बाबूलाल बागरेचा का संगम द्वारा अभिनन्दन किया गया।इस अवसर पर संगम के अध्यक्ष श्रवण बोहरा ने कहा कि पिछले वर्ष कोरोना के घोर तांडव के समय भी सभी के मन मे ये खयाल आया था किंतु मूर्त रूप प्रदान नही किया जा सका,किंतु इस बार इस विषय पर समाज मे बात करते हुए जैसे ही बागरेचा परिवार को मालूम पड़ा तुरंत बाबूलाल बागरेचा ने इस योजना के लिए अपनी समस्त सहायता देने की बात कही,इसी संदर्भ में कोयंबतूर के वरिष्ठ समाज सेवी कमलेश बाफना,श्री वर्द्धमान जैन सेवा संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया सहित डालू सिंह राजपुरोहित, दुर्गाराम सीरवी,करण राज बागरेचा,राजेन्द्र जैन,रोशन बागरेचा सहित कई गणमान्य महानुभवों ने बाबूलाल बागरेचा का अभिनंदन किया संगम के अध्यक्ष श्रवण बोहरा ने उपस्थित जनो से अतिशीघ्र प्रवासियों के लिए कोरोना राहत केंद्र की स्थापना करने की दिशा में कार्य चल रहा है और जल्दी ही इस पर बड़ी खबर आने का इशारा किया।

हरदेव लोधी समाज संगठन ने कोविड केयर सेंटर में दी सहायता राशि

रितेश कटरे ब्युरो चिफ
पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। कोरोना महामारी के संकटकालीन समय में शासन प्रशासन के अलावा आम जनमानस और सामाजिक संगठन भी सहयोग के लिए बढ़-चढ़ कर सामने आ रहे हैं। और इस बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों की मदद के लिए राशन राशि का इंतजाम कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हरदेव लोधी समाज संगठन लांजी के द्वारा कोविड -19 आपदा प्रबंधन के तहत जिला आपदा प्रबंधन अध्यक्ष रमेश भटेरे जिलाध्यक्ष भाजपा बालाघाट , एसडीएम महोदय रविन्द्र परमार , तहसीलदार महोदय आर पी मार्को , एसडीओपी महोदय दुर्गेश आर्मो की उपस्थित मे समाज के बंधुओं द्वारा एकत्रित 100000 रुपये की राशि आक्सीजन की प्रतिपूर्ति हेतु प्रदान किया गया। इस कार्य हेतु उन्होंने समाज के सभी सहयोग कर्ता का आभार प्रकट किया।

स्वजातीय बंधुओं से ज्यादा से ज्यादा सहयोग की अपील- हरदेव लोधी समाज संगठन ने समाज के बंधुओं से अधिकाधिक सहयोग कर इस महामारी से लड़ने की अपिल की है। संगठन के सदस्यों ने बताया कि उन लोगों के द्वारा उनके आगे के कदम जैसे समाज मे संक्रमित व्यक्ति को खाद्य सामग्री प्रदान करने की योजना, तहसील अस्पताल के लिए पीपीई कीट तथा समाज के

प्रत्येक गांव में एक आँक्सीमीटर उपलब्ध कराने, मेडिकल कीट उपलब्ध कराने की योजना से अवगत कराया गया । जिसका कि प्रशासनिक अधिकारियों एवं भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे के द्वारा खुले मन से प्रशंसा की गई, एवं इस सहयोग हेतु धन्यवाद प्रेषित किया । हरदेव लोधी समाज के लिए बहुत गौरव की बात है कि समाज के बंधू सब सामने आकर अपनी समाज की ओर से मानवता की एक मिशाल कायम कर रहे हैं। और आगे की कार्य योजना के लिए सभी का सहयोग बहुत आवश्यक है। संगठन सिर्फ माध्यम ही है जो सर्वजातीय लोगों के सहयोग को शासन प्रशासन और समाज तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मऊरानीपुर झांसी जिले में बढ़ रहे कोरोना केसों को लेकर मऊरानीपुर प्रशासन ने नगर में जन जागरूकता रैली निकाली-उप जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस, नगर पालिका प्रशासन द्वारा निकाली गई जन

जागरूकता वाहन रैली मैं नगर वासियों को ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा संबोधित करते हुए लोगों को कोरोना के बचाव के लिए सचेत किया गया साथ ही चल रहे सैनिटाइजर वाहन से नगर की सड़कों को सैनिटाइज किया गया।

कलेक्टर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले में कोविड-19 प्रबंधन, राशन वितरण और रबी उपार्जन कार्य की समीक्षा

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले में कोविड 19 संक्रमण प्रबंधन, रबी उपार्जन व राशन वितरण कार्य की विकासखंडवार विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड, डिप्टी कलेक्टर अजीत तिर्की व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.सी.चौरसिया सहित रबी उपार्जन और राशन वितरण कार्य से संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे। अन्य सभी एसडीएम और सम्बन्धित विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर श्री सुमन ने निर्देश दिए कि कोविड संक्रमण के दृष्टिगत जिले के सभी पात्र परिवारों को एकमुश्त निःशुल्क

खाद्यान्न के वितरण के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराएं। जिले की सभी दुकानों में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए शासन की गाईडलाईन के अनुसार दुकान के सामने पर्याप्त दूरी पर गोले बनायें और हितग्राहियों को क्रमानुसार खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें । गेंहू उपार्जन के संबंध में कृषकों को विभिन्न माध्यमों से सूचना दी जाए और सभी केंद्रों में कृषकों के लिए पेयजल, छाया आदि की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित हो। सभी एसडीएम, तहसीलदार भी समय - समय पर राशन वितरण और उपार्जन कार्य का औचक निरीक्षण करें। उपार्जन केंद्रों में भी सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क का पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले में फील्ड अधिकारियों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की सराहना की और कोरोना कर्फ्यू के प्रतिबंधों का इसी तरह कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कोरोना कर्फ्यू के तहत जिले में लागू प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लघंन करने वाले लापरवाह व्यक्तियों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

मरहम का वक्त

ऑक्सीजन का अभाव न केवल दुखद, बल्कि पूरे देश के लिए एक अवसर भी है। यह सबक है कि हम अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था को इस तरह दुरुस्त करने में लग जाएं कि फिर कभी ऐसी महामारी आए भी, तो हमें परेशान न करे। अकेले दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अगर 24 घंटे में 25 मरीजों की मौत हुई है, तो देश के दूसरे अस्पतालों में क्या हो रहा होगा, इसका अंदाजा हम सहज ही लगा सकते हैं। यदि बहुत बीमार मरीजों की मौत हुई है, तो भी यह हमारे लिए बड़े दुख की बात है, लेकिन अगर ये मौतें ऑक्सीजन से जुड़ी किसी कमी के कारण हुई हैं, तो हमारी व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। निजी अस्पतालों को सुविधाओं और संसाधनों के लिए जाना जाता है, ऐसे ही अस्पतालों में गंगाराम अस्पताल भी शामिल है। ऐसे अस्पतालों से यह भी उम्मीद की जाती है कि वे सार्वजनिक अस्पतालों के सामने एक आदर्श पेश करेंगे। सार्वजनिक अस्पतालों पर जो दबाव बना हुआ है, वह कोई नया नहीं है, लेकिन जब निजी अस्पताल भी हांफने लगे हैं, तब यह पूरे देश के लिए चिंता की बात है। विगत दशकों में जिस तरह से निजी अस्पतालों को फलने-फूलने दिया गया है और जिस तरह से निजी अस्पतालों का आकार-प्रकार व संख्या बढ़ी है, उसी हिसाब से उनसे उम्मीदें भी हैं। दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से आपात स्थिति है, तो प्रधानमंत्री के साथ बैठक में भी इस पर तकरार आश्चर्य की बात नहीं है। नेताओं के बीच तकरार बढ़ना तय है, क्योंकि दोषारोपण की प्रवृत्ति पुरानी है, लेकिन अब जब नेताओं के बीच संघर्ष हो, तो आम लोगों को सचेत रहना चाहिए और याद रखना चाहिए कि जब जरूरत थी, तब राजनीतिक दल कैसा व्यवहार कर रहे थे? यह समय पार्टियों के झंडे लहराने का नहीं है, अब बात देश के झंडे पर आ गई है। भारत कोरोना ही नहीं, अभावों का भी एक बड़ा केंद्र नजर आ रहा है। अभी महीने भर पहले ही हम दवाओं और टीके का अंतरराष्ट्रीय वितरण कर वाहवाही बटोर रहे थे। अब समय आ गया है कि हम अपनी मांग पहले पूरी करें। दुनिया इस बात को समझती है कि भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है और यहां चिकित्सा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना उतना आसान नहीं है। हमने देखा है, जब अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोरोना की लहर चरम पर थी, तब वहां भी चिकित्सा सेवाओं का ऐसा ही हाल था। पर उन देशों ने युद्ध स्तर पर इंतजाम किए। एक दवा कम पड़ी थी, तो डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगभग भड़क उठे थे। आज ट्रंप की उस नाराजगी को समझा जा सकता है। सोचिए, राष्ट्रीय राजधानी जब ऑक्सीजन मांग रही है, तब देश के बाकी इलाकों में क्या स्थिति होगी? राज्य सरकारों को भी स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी भूमिका को अच्छे से समझने की जरूरत है। राज्यों में विशेष रूप से बुनियादी सुविधाओं के लिए केंद्र सरकार से जरूरी संसाधन व धन मांगने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। कोरोना हमें रुला-रुलाकर जो सिखा रहा है, वह हमें भूलना नहीं चाहिए। विफलता को मानने और गलतियां सुधारने की योग्यता-क्षमता होनी चाहिए। ऐसे मुश्किल समय में किसे राजनीति सूझ रही है, जरूर दर्ज होना चाहिए। गंगाराम या नासिक के हादसे तो चंद उदाहरण हैं कि सरकारें संभाल नहीं पा रही हैं। यह लोगों के दुख-दर्द पर मरहम लगाने का वक्त है, जो सरकारें इस काम को अंजाम देंगी, देश उन्हें हमेशा याद रखेगा।

मनोबल

शबनम का ख़ाविंद पिछ्ले साल कोरोना ग्रस्त हो गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया, किसी को मिलने तो देते नहीं, अस्पताल में ही खाना-पानी और दवा-दारू का प्रबंध होता था। नर्स या वार्ड बॉय आते खाना, दवाई रख के जाते, अब्दुल साहब ये का लिजिए। भाई जान दो बात तो कर लिजिए, सारा दिन अकेले पड़े दिन ही नहीं कटता, ऐसे तो हम घुट-घुटकर मर जाएंगे, ना जाने ये मुआ करोना कब हमें छोड़ेगा, हमसे अब अकेले नहीं कटती अब्दुल मियां, हमें और लोगों को भी दवा देनी है,और वैसे भी पास तो बैठना ही नहीं ना, इसमें तो दूरी बनानी है, तभी सबके लिए ठीक रहेगा। इस तरह अब्दुल मियां ये सोचते कि वो अकेले हैं, उनका कोई भी नहीं, और इसी चिंता में वो चल बसे। शबनम खातून को बहुत बड़ा आघात पहुंचा ये सब जानकर। इस बार फिर से करोना का कहर लोगों पर बरस रहा, लेकिन शबनम खातून ने फैसला कर लिया था, कि जिस फिक्र ने उसके ख़ाविंद की जान ली, किसी और मरीज़ को वो ऐसी फिक्र में नहीं घुलने देगी। वो रोज़ सब मरीजों के पास फूल भिजवाती, उनके फोन नं लेकर उनसे बातें करती रहती। इरफान बेटा, जो तु फूल आर्डर करता है ना मरीजों के लिए, वो आज 10 और बढ़ा दो जी अम्मी बेहतर है, एक बात बताइए,आप रोज़ कोरोना के मरीजों को फूल भेजते हो और फोन पर भी बात करते हो, आप तो किसी को जानते भी नहीं, फिर भी? बेटा मैं कोरोना वाले मरीजों को नहीं जानती, लेकिन कुछ ऐसे हैं जिनका कोई भी नहीं है और कुछ के होते हुए भी उनसे वासता नहीं रखना चाहते, इस तरह बातचीत करके और फूल भेजकर उनका मनोबल बढ़ाती हूं। साथियों हम किसी की और तरीके से मदद नहीं कर सकते तो इस तरीके तो कर ही सकते हैं। एक कोशिश किसी जिंदगी को बचाने की ?

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

वो दिन

जब कांच की शीशी लोग मांगा करते थे,
मिट्टी का तेल भर के बत्ती से उजाला करते थे।
नमक, मिर्च, तेल ,आटा, उधार मांग ले जाते थे,
बड़ी ईमानदारी से फिर वापस दे जाते थे।
ईख के सूखे पत्तों पर चिंगारी मांग लाते थे
बिना माचिस के ही चूल्हे की इंधन जलाते थे।
जब घर का राशन खत्म हो जाता था,
पड़ोसी से कुंटल में अनाज मिल जाता था।
फसल कटने पर वापस कर आते थे,
मन में सहयोग की भावना जगमगाते थे।
भारी -भरकम छप्पर सब मिलकर उठाते थे,
आग लगने पर बिना बुलाए ही सब बुझाते थे।
सुख दुःख में पड़ोसी हमारे बच्चों को देखा करते थे,
रात को उठ -उठकर हमारा घर भी पहरा करते थे।
चौकी, कुर्सी, तकिया बिछावन लोग मांगकर ले जाते थे,
बेटी की शादी में लाखो के नाम शामियाने आते थे।
जड़ी बूटी से की रोग ठीक हो जाया करते थे,
बिना काजू-बादाम के लोग पहलवान हो जाया करते थे।

नूर फातिमा खातून नूरी, शिक्षिका जिला-कुशीनगर उत्तर प्रदेश

काश! कुछ पहले टूटी होती चुनाव आयोग की नींद

देश में तेजी से बढ़ते संक्रमण, खासकर पश्चिम बंगाल में तमाम राजनीतिक दलों की चुनावी रैलियों में कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाली भीड़, बिना मास्क के रैली करने वाले नेताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चेतावनी और स्वास्थ्य सुविधाओं, ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कमी के चलते अपने परिजनों की जान गंवाने वाले आम लोगों की चीख-पुकार भी चुनाव आयोग की कुंभकर्णी नींद नहीं तोड़ सकी थी। अब जब पश्चिम बंगाल में चुनाव अभियान अपने आखिरी दौर में है, भाजपा का चुनाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है, पूरा देश कोरोना की भयावह महामारी से जूझ रहा है और सुप्रीम कोर्ट के शब्दों में देश राष्ट्रीय 'स्वास्थ्य आपातकाल' का सामना कर रहा है, तब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को लताड़ते हुए उसे उसके सांविधानिक अधिकारों की याद दिलाई है। आयोग की नींद टूटी है, लेकिन अब शायद काफी देर हो चुकी है और हालात बेकाबू हो गए हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल तो बहुत पहले से खड़े हो रहे थे। अब यह सवाल उठ रहा है कि अदालती फटकार के बाद उसने बंगाल में बड़ी रैलियों, रोड शो और मोटरसाइकिल रैलियों पर पाबंदी का जो फैसला किया है, क्या वह फैसला कुछ सप्ताह पहले नहीं कर सकता था? वह भी तब, जब सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में तेजी से बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए आयोग से बाकी तीन चरणों के चुनाव एक साथ कराने की मांग उठा रही थीं? लेकिन

उस समय केंद्रीय बलों की कमी की दलील देते हुए चुनाव आयोग इसे खारिज करता रहा था। बहरहाल, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान आयोग को उसके सांविधानिक अधिकारों की याद तो दिलाई ही, यह भी कहा कि महज अध्यादेश जारी करके वह अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। उसके पास असीम अधिकार हैं, उसे उनका इस्तेमाल करना चाहिए। आयोग के फैसले के बाद ममता बनर्जी ने भी अपनी तमाम रैलियां और रोड शो रद्द करने का एलान किया। इस मुद्दे पर सीपीएम ने सबसे पहले पहल की थी। राहुल गांधी ने भी अपनी तमाम रैलियां रद्द कर दूसरे दलों से ऐसा करने को कहा था। यहां राजनीतिक हलकों में आयोग की सक्रियता की टाइमिंग पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। 72 घंटे पहले प्रचार अभियान खत्म करने के पूर्व आदेश की वजह से राज्य में वैसे भी 26 अप्रैल को प्रचार खत्म होना था। अब आखिरी दौर का प्रचार ही बचा है। सातवें चरण के मतदान के लिए प्रचार अभियान तो शुक्रवार, यानी 23 अप्रैल को ही खत्म हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों की दलील है कि आखिरी दोनों चरणों में जहां मतदान होना है, वहां भाजपा के लिए पाने को कुछ नहीं है। क्या यह भी आयोग की सक्रियता की एक प्रमुख वजह हो सकती है? आखिरी दोनों चरणों में कुल 71 सीटों पर मतदान होना है, इनमें से मुर्शिदाबाद जिले की दो सीटों पर उम्मीदवारों की मौत की वजह से मतदान 16 मई को होगा। मतलब जिन 69 सीटों के लिए मतदान होना है, उनमें से मुस्लिम-बहुल मालदा और मुर्शिदाबाद की 32 सीटों के साथ ही कोलकाता की 11 सीटें भी शामिल हैं। बीरभूम जिले की 11 सीटों को छोड़ दें, तो बाकी सीटों पर भाजपा का खास असर नहीं है। प्रदेश भाजपा के एक नेता नाम नहीं बताने की शर्त पर कहते हैं कि पार्टी का चुनाव अभियान अब खत्म हो चुका है और इसी में सरकार बनाने लायक बहुमत मिल जाएगा। विशेषज्ञों ने पहले ही चेताया था कि विधानसभा चुनाव खत्म होने पर बंगाल में कोरोना संक्रमण नया रिकॉर्ड बना सकता है। द ज्वॉइंट फोरम ऑफ डॉक्टर्स- वेस्ट बंगाल नामक डॉक्टरों के समूह ने अप्रैल के पहले सप्ताह में ही चुनाव आयोग को पत्र भेजकर चुनाव अभियान के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल की सरेआम धज्जियां उड़ने पर गहरी चिंता जताते हुए उससे हालात पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की थी। भाजपा के अनेक नेता और चुनाव आयोग भले इस बात को न मानें, लेकिन मार्च के पहले सप्ताह में जब चुनाव अभियान की शुरुआत हुई थी, तब 2 मार्च को संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या महज 171 थी, अब बढ़कर 12 हजार के पार पहुंच गई है। अब कोरोना ही बंगाल में सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है।

कोरोना महामारी में सामाजिक संस्थाओं, डीआरडीओ

कॉर्पोरेट्स की सराहनीय जनसेवा मानवता परमो- धर्म-रात दिन सेवा में जुटे

गोंदिया। आज विश्व भर में कोरोना महामारी अकल्पनीय कहर बरपा रही है। किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि पिछ्ले वर्ष 2020 से कई गुना अधिक कहर 2021 की शुरुआत में ही कोरोना महामारी के रूप में बरपने लगेगा और किसी को संभलने का मौका नहीं मिलेगा।...बात अगर हम भारत की करें तो आज हाईकोर्ट ने भी कहा कोरोना की यह दूसरी लहर नहीं सुनामीं है। देश के माननीय प्रधानमंत्री महोदय को भी कहना पड़ा कि कोरोना की दूसरी वेव तूफ़ान बनकर आई हैं और देश को झकझोर दिया है आज रविवार दिनांक 25 अप्रैल 2021को मन की बात में पीएम ने कहा पहली वेव का सफ़लता पूर्वक मुकाबला करने के बाद देश आत्मविश्वास से भरा हुआ था वेक्सिन को लेकर अफ़वाह ना फैलाएं देश एक बार फ़िर लड़ाई लड़ रहा हैं। मेरे निजी विचार में इतनी बड़ी आपदा और उसमें भी ऑक्सीजन इंजेक्शन, दवाइयों, बेड, की किल्लत और कालाबाजारी बहुत ही निंदनीय और चिंताजनक विषय है।...बात अगर हम भारत देश की सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ, कॉरपोरेट्स, डीआरडीओ की करें तो भारत की मिट्टी में ही यह गुण है कि विपरीत, कठोर, विषम परिस्थितियों में तो ठीक पर सामान्य परिस्थितियों में भी भारतीय नागरिक, सामाजिक संस्थाएं, जनता की मदद के लिए आगे आ जाते हैं और सेवा अभियान चलाने में रात दिन एक कर देते हैं। पिछ्ले वर्ष 2020 का कोरोना महामारी, लॉकडाउन, प्रवासी मजदूरों का पलायन वाला मंजर हमें याद है और कभी नहीं भूलेंगे, इस वर्ष 2021 की शुरुआत से ही महामारी की द्वितीय रहर ने भीषण हमला किया है। दोनों दौर में हमारे देश के अनेक सामाजिक संस्थाओं ने सेवा में महत्वपूर्ण रोल अदा किया है। हम देख व सुन रहे हैं कि यह सामाजिक संस्थाएं बड़े जोर शोर से लंगर (भोजन) सेवा का आयोजन करते हैं और भोजन से भरे गंज और बर्तन लेकर निकल पड़ते हैं और लाचारों, मजदूरों, भूखों की इस लाचारी में भोजन की व्यवस्था करते हैं जो बहुत ही तारीफ ए काबिल है। ऐसी ही सेवा एक टीवी चैनल पर की लाइव

दिखाई गई और बताया गया कि अलग-अलग क्षेत्रों के गुरुद्वारों द्वारा भोजन सेवा दी जा रही है, जिस जरूरतमंद को जो नजदीक पड़ता है वहां फोन से सूचना देकर निशुल्क घर पहुंच सेवा प्राप्त कर सकता है। ऐसी सेवा किसी एक राज्य में नहीं पूरे देश के राज्यों में की जा रही है और मुख्य रूप से यह सेवा एक विशेष समाज की कमेटी द्वारा चलाया जाता है। हमारे गोंदिया जिले जैसी छोटी सिटी में भी एक कमेटी द्वारा पिछ्ले साल लॉकडाउन में 7 हज़ार भोजन पार्सल और एक कमेटी द्वारा 4 हज़ार भोजन पार्सल गांवों में बांटे जा रहे थे। यह सभ सेवा का कार्य गोंदिया एसडीओ के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे थे....बात अगर वर्तमान की करें तो कलेक्टर की अनुमति से दो संस्थाओं द्वारा 50 और 75 बेड की दो कोविड अस्पतालों का संचालन किया जा रहा है अलग-अलग कमेटियों द्वारा। आज अनेक राज्यों में ऑक्सीजन और बेड की कमी उत्पन्न हुई है। आज दिनांक 24 अप्रैल 2021 को टीवी चैनल पर दिखाया गया कि गाजियाबाद में भी यह सामाजिक कमेटी स्वास्थ्य संबंधी सेवा जोर शोर से की जा रही है ऑक्सीजन सहित बेड की व्यवस्था की जा रही है।कई सामाजिक संस्थाओं ने कलेक्टर से मिलकर अनुमति प्राप्त कर कोविड सेंटर भी निस्वार्थ चलाए जा रहे हैं जिसमें मरीजो को आइसोलेशन व इलाज़ डॉक्टरों की देखरेख में दीया जा रहा है, कहीं टीम इलेवन, कहीं टीम कोरोनावरियर्स कहीं वाहेगुरु इत्यादि रूप से भी कमेटियां बनाकर इस संकट की घड़ी में जरूरतमंदों, बीमारों की हर तरह से मदद की जा रही है जो काबिले तारीफ है...बात अगर हम डीआरडीओ की करें तो इसका पूरा नाम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन है यह संगठन रक्षा मंत्रालय के अधीन है। पिछ्ले वर्ष और इस वर्ष कोविड की सेवा में इस संगठन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दिल्ली में हवाई अड्डे के पास स्थापित 500 बेड की सुविधाओं सहित हॉस्पिटल शुरू हुई पिछ्ले वर्ष एक हजार बेड की सुविधा वाले एस अस्पताल को फरवरी में ही बंद किया गया था। सभी को उच्च डब्ल्यूएचओ मानको सहित ऑक्सीजन सुविधा के साथ बिना कोई शुल्क लिए बेड उपलब्ध किए गए हैं। उसी तरह संगठन ने अहमदाबाद में आज दिनांक 24 अप्रैल 2021 को 25 डॉक्टरों और 75 पैरामेडिकल कर्मचारियों के साथ यह 9 सव बेडका कोविड अस्पताल इनके द्वारा शुरू किया गया है। इसके पूर्व भी डीआरडीओ द्वारा मास्क और सैनिटाइजर की बहुत व्यवस्था कर लोगों में बांटा था। अब बेड और ऑक्सीजन की व्यवस्था कर रहा है। रक्षा मंत्री भी इन्हें दिशानिर्देश देर रहे हैं और घोषणा की कि डीआरडीओ द्वारा 500 बेड वाले दो कोविड अस्पताल भी बनाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अन्य एक डेरे द्वारा भी दिल्ली में बड़ी मात्रा में अपने डेरे में बेडों की व्यवस्था कर दिल्ली सरकार को सहयोग किया है... बात अगर हम कॉरपोरेट्स की करें तो एक बहुत बड़े घराने ने ऑक्सीजन की बड़ी मात्रा में उपलब्ध कराने की बात कही है और एक दूसरे घराने ने भी डीआरडीओ के साथ मिलकर केंद्रीय अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति करने की जवाबदारी उठाई है।अतः इस संकट भरी और विपरीत परिस्थितियों में सभी मानव धर्म निभाएं यही मानवता की सबसे बड़ी जीत है।

-विशेषज्ञ एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक संकट

छा गई है धुंध जग में, आ गई है आपदा।
हर रही जीवन के सब को, ना काम आई संपदा।

इस समय पूरे विश्व में कोरोना महामारी एक संकट बन कर छा गया हैढ्ढ आए दिन यह सब के जीवन को छीन रहा हैढ्ढ अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी के कारण रोज लोग काल के गाल में समाते जा रहे हैं। दिन पर दिन हालात बदतर होते चले जा रहे हैं। उस वैश्विक संकट के समय सबको ईमानदारी से नियमों का पालन करना चाहिए। जान है तो जहान है, इसलिए मास्क लगाकर ही बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकले। पूरा विश्व आज इस महामारी रूपी वैश्विक संकट से गुजर रहा है। कोरोना महामारी जीवन के लिए अभिशाप बनता चला जा रहा है। इस वैश्विक संकट ने अपने साथ कई समस्याओं को जन्म दिया है। जिसमें सबसे पहले बेरोजगारी है। दिल्ली ,मुंबई जैसे औद्योगिक शहरों से लोग पलायन कर रहे हैं। उनके सामने रोजी-रोटी एक समस्या बनती जा रही है। शादी विवाह जैसी सार्वजनिक समारोहों में भी अब वह रौनक दिखाई नहीं दे रही है। पूरे विश्व में यह संकट भयावह स्थिति को जन्म दे रहा है। इससे निपटने के प्रयास भी विफल होते जा रहे हैं। हमें नियमों का पालन करके इस समस्या से निपटने में सहयोग करना चाहिए। स्वरचित अप्रकाशित एवं मौलिक रचना

रीता तिवारी रीत
अध्यापिका, स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री
शिक्षाः एमए समाजशास्त्र ,बीएड सीटीईटी उत्तीर्ण पिता का नामऱ श्री अवधेश तिवारी
मऊ, उत्तर प्रदेश से

कविता

वीणापाणि माँ वागेश्वरी,
शारदा !
वीणापाणि माँ वागेश्वरी,
शारदा !
सकल सृष्टि आज त्राहि
पुकारता ।
नैनों में थे खुशियाँ जिनके
उन आंखों में हैं आँसू रुदन के
वक्त बदल रहा या बदल रहा कायदा
वीणापाणि माँ वागेश्वरी, शारदा !
मानव का मानव पर घात हो रहा है
कई किस्म के पाप एक साथ हो रहा है
निज ज़िन्दगी से भी लोग तंग आ चुके हैं
संसार में तुम्हारे न जाने क्या - क्या हो रहा है ?
अपराध, अपराधी नहीं है इस जगत में
सत्य का कोई साथी नहीं है इस जगत में
मौन होकर देखते हैं, सभी एक - दूसरे का त-माशा
वीणापाणि माँ वागेश्वरी, शारदा !
लोग घरों में से निकलने से डरते हैं
क्योंकि समाज में तरह - तरह के मुसाफ़िर चलते हैं
वक्त, बे-वक़्त कौन किसका शिकार हो जाये
ऐ सन्देह आज मन - मन में पलते हैं 7
मानवता की लाज बचा लो माँ
मानव को फिर से मानव बना दो माँ
चीर जगत की सुन लो अभिलाषा -
वीणापाणि माँ वागेश्वरी, शारदा !

9 महेन्द्र कुमार मध्देशिया
सलहन्तपुर, जनपद - सिध्दार्थनगर (उत्तर प्रदेश)

मेरा पहला प्यार

जब गुस्सा हो जाती है वो,
मुझे छोड़ने की बात करती है।
जब गुस्सा ठंडा हो जाता है उसका,
तो वो मेरे साथ दुनिया बसाने की बात
करती है ।
बिल्कुल बुद्धू है वो ,
पागल है।
उसे ना समझ ही नही आता,
कि उसके लिए क्या अच्छा है और
क्या बुरा,
गुस्से में रिस्ता तोड़ने की बात करती है।
बिल्कुल बुद्धू है वो ,
पागल है।

रचनाकार- सुरेश मुरकुटे बालाघाट

कुछ ऐसा करो

सृष्टि के सर्जनहार पर अब हर मन में संशय उठ रहा है, दुर्गा माँ, और महाकाल बाप है, अपने बच्चों की यातना पर क्यूँ इन्हें मलाल नहीं हो रहा है। ऐसा तो नहीं की पापी और धूर्त ही मर रहे है मर तो वो भी रहे है जिनकी हर साँस में दुर्गा और महाकाल के निरंतर नाम बह रहे है। क्यूँ पूजते आ रहे है सैंकडों सालों से सब इन्हें धूप-दीप दूध-चंदन चढ़ाते, सो गए है सारे देवी देवता या प्रार्थना की पुकार कम पड़ रही है। मंज़र भयावह और ज़िंदगीयाँ जूझ रही है हर तरफ़ मौत की गूँज उठ रही है पुकार करते उठते हाथ की उर्जा क्यूँ उस अर्श की चौखट तक नहीं पहुँच रही है। कहीं बच्चों की माँ बिछड़ रही तो कहीं सर से पिता का साया, किसीके बेटे चल बसे तो कोई विधवा रो रही है, मातम की चीखों पर भी क्यूँ आसमान में शांति छाई है। माना कि इंसान अपनी करनी का फल भुगत रहा है सज़ा की सुनवाई तो कर देते है माँ-बाप पर बच्चों की तकलीफ़ पर माफ़ी की जोगवाई भी जल्दी होती है। क्यूँ पिघल नहीं रही तेरी करुणा की धूनी मधुकर वसुधा की हवाएं कड़वी हो रही है, अमृत की संकल्पना ही हमारी झूठी थी या कलयुग के चलते तुम्हारी भी नीतियों में खोट आ गई है। उम्मीद को कब तक बाँधकर रखें कहीं कोई आहट नहीं आपकी प्रभु, प्रार्थना के शब्द आँसू में ढ़ल गए सुनाई नहीं देता डूबती साँसों का शोर या आपकी फ़ितरत रुदन की आदी हो गई है। करो कोई करिश्मा जगदाधार मृत्यु लोक पर महेर करो गर हो कहीं तो दार्शनिक न बने रहो, रह जाए मन की शंका मन में और आपका मान बढ़ जाए कुछ ऐसा करो।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)ऋभावु

भारत में कॅरोना संक्रमण भयावह, विदेशी राष्ट्र भारत की मदद करने को तैयार

भारत में करोना की दूसरी वैरीएंट लहर अब खतरनाक रूप ले चुकी है। पूरे देश में भयानक संक्रमण फैला हुआ है। भारत में प्रतिदिन तीन से चार लाख करोना के नए मरीज संक्रमित हो रहे हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाएं भारी दबाव में आ गई है,एवं कोरोना संक्रमण का दबाव उनसे झेला नहीं जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, मद्रास, अहमदाबाद,नागपुर में नए मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी नहीं किया जा रहा है। जीवन रक्षक औषधियों की भयानक कमी हो गई है, ऑक्सीजन सिलेंडर की सप्लाई रुक गई है, तथा वेक्सीन भी कम पड़ गई है। यह भारत के संक्रमण की खतरनाक स्थिति की दुनिया के सामने छुपी नहीं है। इसी तरह कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या में भी भयानक इजाफा हुआ है।भारत के करोना संक्रमण की यह स्थिति दुनिया भर में बड़े भय से देखी जा रही है, और इस खराब होती स्थिति पर नजर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने भारत को मदद करने की पेशकश की है। एवं अपने हाथ भारत की तरफ़ बढ़ाए हैं, एजेंसियों के अनुसार भारत को मदद देने वाले राष्ट्रों में अमेरिका, इजरायल, ब्रिटेन,फ्रांस, चीन तथा पाकिस्तान प्रमुख देश हैं। रूस के सरकारी प्रवक्ता ने अपने ट्विटर हैंडल में कहां है कि रूस भारत को रेमदेसीविर और ऑक्सीजन की सप्लाई तुरंत कर सकता है, तथा इस संक्रमण से निपटने हेतु हर संभव मदद की अपील की है। यह उल्लेखनीय है कि अभी तक भारत में इस पेशकश से कोई जवाब नहीं दिया है, और ना ही सहमति दिखाई है, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कोविड-19 के संक्रमण को चलते हुए भारत की जनता के साथ एकजुटता की अपील की है। हर संभव मदद की अपील भी की है, अमेरिका के सीनेट में कई सीनेटर ने अमेरिकी राष्ट्रपति से निवेदन किया है कि वह भारत की हर संभव मदद करें। भारत में कोविड-19 मरीजों के इलाज में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए रूस ने मेडिकल ऑक्सीजन और रेमदेसीविर इंजेक्शन की आपूर्ति करने की पेशकश की है, बताया जाता है कि भारत सरकार कुछ ही दिनों में इनका आयात करने की तैयारी करेंगा, रूस के प्रवक्ता ने मास्को

से कहा है कि वह प्रति सप्ताह तीन से चार लाख रेमदेसीविर इंजेक्शन भेजने की स्थिति में है, एवं इसकी आपूर्ति कर सकता है। ईस इंजेक्शन के साथ ऑक्सीजन की आपूर्ति भी बहुत शीघ्र चालू कर दी जाएगी।दूसरी तरफ लद्दाख में एल,ए,सी के विवाद में उलझे हुए चीन ने भी अपना समर्थन देते हुए भारत को मदद की पेशकश की है। चीन के मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेंगबिन ने कहा कि माह मारी पूरी मानवता की बड़ी शत्रु है, जिससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता और पारस्परिक सहयोग की आवश्यकता होगी।उन्होंने कहा की महामारी को काबू करने के लिए चीन भारत को हर संभव सहायता प्रदान करने को तैयार है।इसी तरह फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मेक्रो ने भारत में कोविड-19 बढ़ते प्रकोप को देखते हुए संवेदना प्रकट की है, एवं हर संभव मदद की पेशकश भी की है, एवं फ्रांस भारत सरकार को हर संभव मदद देने को भी तैयार है। इसराइल ने करोना पीड़ित भारत के प्रति सहानुभूति जताई है,इजराइल के सरकारी प्रवक्ता ने अपने ट्विटर हैंडल में कहा कि वह अपने अच्छे दोस्त भारत के साथ संकट की घड़ी में खड़े हैं, एवं जीवन रक्षक औषधियों की सप्लाई देने को तैयार हैं, इसी तरह अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सीनेटर एड मार्के अमेरिकी राष्ट्रपति को भारत को तत्काल मदद करने का अनुरोध किया है, उन्होंने कहा कि अमेरिका में सभी के लिए आवश्यक व्यक्ति से भी ज्यादा वेक्सीन की मात्रा उपलब्ध है, अतः हमें उनकी मदद करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र संघ के समझौते के अंतर्गत भारत में कुछ माह पूर्व विकासशील देशों तथा गरीब देशों को भारत में निर्मित वैक्सीन की बड़ी मात्रा सप्लाई की थी,इसी तरह ब्रिटेन और अमेरिका को गत वर्ष बड़ी मात्रा में पेरासिटामोल तथा अन्य दवाइयां निर्यात की थी,अब क्योंकि भारत में संक्रमण बहुत वृहद रूप से फैला हुआ है, एवं प्रतिदिन लाखों नागरिक संक्रमित होकर मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं ऐसी स्थिति में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो राष्ट्र मदद के लिए आगे बढ़ रहे हैं उनसे मदद लेकर अपने नागरिकों की रक्षा करनी चाहिए।

संजीव ठाकुर
स्वतंत्र लेखक,रायपुर छत्तीसगढ़

हम में से कई लोगों के बाल शैम्पू करने के बाद उलझने लगते हैं, कंघी करते वक्त इन बालों में गांठें बनने लगती है। अगर ये लगातार उलझे हुए रहने लगें तो इससे ये कमजोर होकर टूटने लगते हैं। गर्मियों में तो यह समस्या और भी ज्यादा रहने लगती है। बालों को उलझने से बचाने के लिए कंडीशनर और हेयर स्पा जैसे हेयर केयर प्रॉडक्ट से बालों को सुलझाया जाता सकता है, लेकिन नतीजे से पहले आपको इस बात की तह तक जाना बहुत जरुरी है। आखिर बाल उलझने की मूल वजह क्या है। इस वजह को जानकर आप अपने बालों को उलझने से बचा सकते हैं।

गर्मियों में क्यों बालों में पड़ जाती हैं गांठे

डिहाइड्रेशन की वजह से

गर्मियों में डिहाइड्रेशन सिर्फ शरीर में ही नहीं होती है, बल्कि ये बालों में भी होती है। अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो बाल भी उलझने लगते हैं। रूखे बाल आपस में बुरी तरह उलझ जाते हैं और उन्हें सुलझाना मुश्किल होता है। जब बाल अच्छी तरह हाइड्रेटेड नहीं रहते, तो बाल कमज़ोर और संवेदनशील हो जाते हैं, जिससे वे बीच से ही टूटने लगते हैं। इसलिए नियमित रूप से बालों को कंडीशनर करें और बीच-बीच में मॉइस्चराइज़िंग हेयर मास्क का भी इस्तेमाल करें। ढेर सारा पानी और लिक्विड पिएं, ताकि शरीर के साथ आपके बाल हाइड्रेटेड रहें।

अल्कोहल युक्त शैम्पू का न करें इस्तेमाल

अल्कोहल युक्त हेयर केयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल न करें। इससे बालों की नमी जाने लगती है। शैम्पू, कंडिशनर से लेकर हेयर स्टाइलिंग प्रॉडक्ट्स तक में अल्कोहल मुक्त का लेबल देखकर ही प्रॉडक्ट्स ख़रीदें। क्योंकि अल्कोहल युक्त प्रॉडक्ट्स के नियमित इस्तेमाल से बाल रूखे और बेजान होने लगते हैं और इस वजह से बाल उलझने लगते है और गांठे बन जाती है। बालों को खुला छोड़कर सोने पर बाल खुले रखकर सोने से वे उलझ जाते है। इसलिए ढीली-ढाली चोटी बनाकर सोएं और यदि आप सहज न हों, तो शुरुआत करने के लिए ढीली पोनी बना सकती हैं। बालों की सही तरह से करें कंघी कई बार सुबह जल्दबाज़ी में हम बालों को कंघी करना भूल जाते हैं। बालों में हाथ फिराकर बाल तो थोड़े-बहुत सेट हो जाएंगे, लेकिन कंघी न करने पर बालों की सेहत ज़रूर बिगड़ जाएगी। लंबे समय तक कंघी न करने पर बालों में गांठ भी पड़ जाती है। दिन में कम से कम दो बार कंघी ज़रूर करें। इससे बाल जल्दी उलझेंगे नहीं। चौड़े दांतोंवाली कंघी का इस्तेमाल करें, ताकि बाल कम से कम टूटें। रात को कंघी करे बिना सोने से भी बाल उलझ सकते हैं। इसलिए रात को सोने से पहले उन्हें सुलझाना न भूलें।

बालों को सही तरीके से सुखाएं

कुछ लोग बाल धोने के बाद उन्हें तेजी से रगड़ते हैं या झाड़ते हैं। यह बहुत गलत तरीका है। इससे बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। शैम्पू करने के बाद बालों को तौलिया से बहुत आराम से पौंछे इसके लिए किसी पतले कपड़े का इस्तेमाल करें। बालों को तौलिए से ज्यादा कस कर न बांधें। धूप में बैठकर या कूलर के सामने बाल सुखाना भी बालों को नुकसान पहुंचाता है। इससे न केवल बाल उलझते हैं, बल्कि कमजोर होकर टूटने भी लगते हैं।

नीम हकीम से बच कर रहे

एक स्वस्थ व्यक्ति के जीवन का आधार होता है-संतुष्ट सेक्स जीवन। लेकिन, पश्चिमी देशों के विपरीत हमारा समाज हमें प्यार को खुले तौर पर करने की इजाजत नहीं देता। सेक्स वह कला है जिसका वर्णन हमारे पूर्वजों द्वारा कई शतकों पहले कामसूत्र में भी किया जा चुका है। इससे जुड़े कई मिथ्य और भ्रांतियों ने इसे एक रुकावट बना दिया है। हालांकि शहरों मे यह चित्र तेजी से बदल रहा है। लेकिन, देश के अधिकतर भागों में ज्ञान की कमी और जानकारी के अभाव में लाखों लोग एक असंतुष्ट सेक्स जीवन जीने के लिए मजबूर हैं।

नई दिल्ली स्थित अशोक क्लिनीक रिसर्च सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता के अनुसार आज भी, नपुंसकता एक ऐसा विकार है जिसे पुरुषों में सबसे अधिक खराब और हीन माना जाता है। इसके लिए दो तत्व बहुत जिम्मेदार होते हैं। पहला, ज्ञान की कमी, अंधविश्वास, अपराधबोध आदि से लोग सेक्स जीवन में नाकामयाब होते हैं। दूसरा, झूठे झांसे और ऐसे ठग व झोलाछाप डाक्टर, जो ऐसे मरीजों को धोखा देकर उनके जीवन को खतरे में डाल सकते हैं। ऐसे झांसे और झूठे दावा करने वाले सेक्सोलोजिस्ट मरीज की नासमझी का फायदा उठाते हुए उन्हें इस बात के लिए मजबूर कर देते हैं कि वे अपनी इस समस्या जैसे इरेक्टाइल डाइसफंक्शन को छिपा कर रखें और किसी से भी इसका जिक्र न करें।

अधिकतर एंड्रोलोजिस्ट के मुताबिक नपुंसकता या इरेक्टाइल डाइसफंक्शन एक आम विकार है। कहा जाता है कि लगभग दस प्रतिशत पुरुष इससे पीड़ित हैं। 40 की उम्र के लगभग 52 प्रतिशत लोग इसका शिकार होते हैं। आज भी शर्म और नासमझी के कारण केवल कुछ ही मरीज इलाज के लिए आगे आते हैं और अधिकतर लोग डाक्टर के बजाय किसी ठग या ढोंगी के पास जाना ज्यादा उचित समझते हैं। दरअसल, किसी भी पुरुष का अहम उसे इस बात को जगजाहिर करने की इजाजत नहीं देता जिससे उसके पौरुष पर कोई सवाल उठे। डा. गुप्ता, जिन्होंने हजारों मरीजों को इस समस्या से छुटकारा दिलाया है का कहना है कि यह बहुत ही दुर्भाग्यवश है क्यों कि अगर मरीज समय रहते प्रशिक्षित और अनुभवी डाक्टर के पास चले जाएं तो अधिकतर केसों में नपुंसकता का उपचार किया जा सकता है । अगर सेक्स से संबंधित मिथ्य और नासमझी की बात की जाए तो अशोक क्लीनिक के संस्थापक डा. अशोक गुप्ता के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में किए गए एंड्रोलोजिकल शोधों से यह पता चलता है कि मात्र व्यायाम और ऐरोबिक्स की मदद से भी कई मरीज अपना खोया हुआ पौरुष प्राप्त कर सकते हैं और शादीशुदा जीवन का आनंद उठाने के बीच में छोटी-मोटी रुकावटों को भी दूर कर सकते हैं। जबकि ठग, ढ़ोंगियों और झोलाछाप डाक्टरों को तो सबसे आखिरी विकल्प मानकर चलना चाहिए। एक नासमझ और शर्मीला व्यक्ति, जो कि ऐसे ढ़ोंगियों और झोलाछाप डाक्टरों के पास अपनी समस्या को लेकर जाता है, उसे यही विश्वास दिलाया जाता है कि नपुंसकता की वजह साइकोलोजिकल समस्या ही है जबकि 80 से 90 प्रतिशत केसों में क्रोनिक नपुंसकता दिमाग की नहीं बल्कि शारीरिक समस्या की वजह से होता है। डा.अशोक गुप्ता के मुताबिक ऐसा इसलिए भी होता है क्यों कि थोक के भाव में उपलब्ध ठगी और ढ़ोंगियों से अपनी समस्या का खुलासा करना ऐसे मरीजों को अधिक उपयुक्त और विकल्प दिखता है।

1998 में एसोसिएशन आफ मेडिकल कंसल्टेंट के द्वारा किए गए एक शोध से पता चलता है कि भारत में लगभग 1.5 मिलियन ठग और झोलाछाप डाक्टर हैं और मुंबई में लगभग 10,000 झोलाछाप डाक्टरों का बसेरा है। पिछले एक दशक से, यह आंकड़े 2.5 मिलियन को पार कर चुके हैं और शायद यह कहना गलत नहीं होगा कि इनमें 80 प्रतिशत ठग सेक्स समस्याओं से संबंधित हैं। इन रपटों में सबसे रोमांचक बात जो सामने आई है वह यह है कि उस समय महराष्ट्र में 95,000 झोलाछाप डाक्टर थे और केवल 90,000 पंजीकृत डाक्टर। आई एम ए द्वारा किए गए शोध में यह भी पता चला कि हमारे देश में डाक्टरों से अधिक आंकड़े झोलाछाप डाक्टरों के हैं। अगर, गलती से एक झोलाछाप डाक्टर किसी भी कारण चाहे निदान या गलत उपचार के चलते एक वर्ष में एक मरीज को भी मारता है तो एक साल में लगभग 95,000 मर्डर होते हैं।

डा.अशोक गुप्ता का कहना है कि हालांकि इरेक्टाइल डाइसफंक्शन 13 वर्ष से लेकर 90 की उम्र में कभी भी हो सकता है और इसके कई कारण भी हो सकते हैं जैसे-मधुमेह, हाईपरटेंशन, हार्ट डिसीज, रेनल फेल्योर, न्यूरोलोजिकल डिसओर्डर, चोट, दवाएं आदि। लेकिन, इसके आधारभूत कारण कुछ ही होते हैं। युवाओं और कॉलेज जाने वाले छात्रों में इस समस्या के होने का अधिकतर कारण होता है-चोट लगना, जो कि पेनिस तक जाने वाली धमनियों को अवरुद्ध कर देता है। किसी दुर्घटना आदि के बाद चोट गंभीर या तेज हो सकती है, जो कि पेल्विस की हड्डियों में फ्रेक्चर भी कर सकती है। कई केसों में बचपन में लगी चोट जवानी में आकर इस बीमारी का न्योता दे देती है। जो लोग नपुंसकता को दिमाग की बीमारी समझते हैं उन लोगों के लिए काउंसलिंग और सेक्स थैरेपी कारगर हो सकती है।

साइकोलोजिकल तत्व और सेक्सुअल अज्ञानता के चलते छोटी-मोटी समस्याओं का छुटकारा कोई भी प्रशिक्षित काउंसलर कर सकता है। पॉलिसी बनाने वाले भी इन ढ़ोंगी सेक्सोलोजिस्ट की लोकप्रियता से चिंतित होते हैं क्यों कि सरकारी हास्पिटलों में बढ़िया से बढ़िया सुविधा देने के बाद भी लोग इन झोलाछाप डाक्टरों के झांसे में आ जाते हैं। डा.अशोक गुप्ता के अनुसार, ऐसे मरीज सरकारी हास्पिटलों में जाने की बजाय ठग अप्रशिक्षित या झोलाछाप डाक्टरों के पास जाने में ज्यादा सहूलियत महसूस करते हैं। डा.अशोक गुप्ता के मुताबिक लोगों को और सरकार को इस बीमारी के प्रति अधिक जागरुक होना पड़ेगा। जिस तरह से एड्स, एचआईवी, कांडम आदि के प्रति लोगों में इतनी जानकारी पैदा की जा रही है ठीक उसी तरह इस समस्या को भी खुले तौर पर लाना पड़ेगा और लोगों में जानकारी और जागरुकता पैदा करनी पड़ेगी।

भुतहा शहर से जाने जाता है धनुषकोटि

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे देश मे एक ऐसा शहर भी है जिसे भुतहा शहर कहा जाता है। यह शहर जिसे भुतहा कहा जाता है वहां कभी समृद्ध धार्मिक नगर था और जीवित संस्कृति सांस लेती थी। आइए आप भी जानिए हमारे साथ-साथ इसके भुतहा होने की कहानी को। रामेश्वरम से रामसेतु की और जाते समय ऑटोरिक्शा वाले ने कुछ खंडहरों की ओर इशारा कर बताया कि साहब ये जो खंडहर नज़र आ रहे है यहां कभी एक बड़ा अच्छा आबाद नगर था। इसे अब भुतहा शहर कहा जाता है। उसके ऐसा कहने से जिज्ञासा उत्पन्न हुई और हमने ऑटो रुकवा लिया। समुद्र के किनारे रेत पर नज़र आरहे खंडहर भवनों की ओर चल पड़े। चर्च, डिस्पेंसरी, स्कूल और कुछ अन्य भवनों के अवशेष हमारे सामने खंडहर के रूप में थे। हम जैसे ही कुछ और सैलानी भी इन्हें निहार रहे थे। कैसे होंगे ये भवन इस बारे में सभी अपने-अपने अनुमान लगा रहे थे। इनके भव्य होने की कल्पना कर रहे थे और इसकी यादों को फ़ोटो और सेल्फी लेकर अपने पास संजो रहे थे। इस से पहले समुद्री उत्तपाद शंख, सीप, मोती, मनके और इनसे बने सजावटी समान बेचने की कुछ कच्ची दुकाने सजी थी।

वहीं एक स्थानीय मछुआरे ने दूर इशारा कर बताया वहां एक रेलवे स्टेशन था। हमने जाकर देखा तो अब वहां मात्र स्टेशन भवन के खंडहर के अवशेष रहगये थे। इस क्षेत्र में आज कुछ मछुआरे रहते हैं जो समुंद्र से मछली पकड़ कर उनसे अपनी आजीविका चलते है। कुछ मछुआरे रामेश्वरम से सुबह आते हैं और शाम होते होते वापस लौट जाते हैं। जहां नज़र जाती थी समुंद्र ही समुंद्र था। बताते हैं कि अंग्रेजों के समय धनुषकोटि बड़ा नगर था और रामेश्वरम एक छोटा सा गांव था। उस समय यहां से श्रीलंका के लिए नौकायें चलती थी और किसी प्रकार पासपोर्ट की जरूरत नहीं होती थी। थलाईमन्नार-श्रीलंका जाने के लिए नाव का किराया 18 रुपये था। इसी के माध्यम से व्यापारिक लेनदेन भी होता था। वर्ष 1897 में जब स्वामी विवेकानंद अमेरिका से लंका मार्ग से भारत आये तो वे धनुषकोटि भूमि पर उतरे थे। वर्ष 1964 में यह एक विख्यात पर्यटक स्थल और तीर्थस्थल था। श्रद्धालुओं के लिए यहां होटल, धर्मशालाएं, कपडो की दुकाने थीं। उस समय यहां चेन्नई से धनुषकोटि के मध्य मद्रास ऐग्मोर से बोट मेल नामक रेल सेवा संचालित होती थी। आगे श्रीलंका को फेरी बोट से जमे के लिए यह रेल सेवा उपयुक्त थी। धनुषकोटि में जलयान निर्माण केंद्र, रेलवे स्टेशन, छोटा रेलवे चिकित्सालय, पोस्ट आफिस एवं मछलीपालन जैसे सरकारी कार्यालय भी थे। धनुषकोटि जैसे समृद्ध शहर के लिए 22 दिसंबर 1964 की रात दुर्भाग्य लेकर आई जब एक भयानक समुद्री तूफान में यह नगर पूर्णतः बर्बाद हो गया। पम्बन-धनुषकोटि पैसेंजर रेल जिस में 5 कर्मचारी और 110 यात्री सवार थे प्रचंड तूफान की तरंगों की भेंट चढ़ गई। धनुषकोटि से कुछ पहने पूरी रेलगाड़ी बह गई और पूरा रेल मार्ग नष्ट हो गया। करीब 270 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आये चक्रवात से पूरा शहर खत्म हो गया। यह चक्रवात आगे रामेश्वरम तक गया उस समय भी 8 फुटट ऊँची तरंगे थी। इस परिक्षेत्र के करीब एक सहस्र से अधिक व्यक्ति काल के गाल में समा गए। कुछ लोग मारने वालों की संख्या पांच सहस्र बताते हैं। धनुषकोटि में सब कुछ खत्म होकर कुछ खंडहर रह गये। केवल एक व्यक्ति जिसका नाम कालियामन था बच गया जिसने समुद्र में तैर कर अपने प्राण बचाये। सरकार ने पास के गांव का नाम उसके नाम पर निचल कालियामन रख कर उसका गौरव बढ़ाया। धनुषकोटि बस स्टैंड के खंडहर के समीप मारने वालों की याद में एक स्मारक बनाया गया है। उस पर लिखा है-उच्च वेग से बहने वाली हवा के साथ उच्च गति के चक्रवात ने धनुषकोटि को 22 दिसंबर 1964 की आधी रात से 25 दिसंबर 1964 की शाम तक तहस नहस कर दिया, जिससे भारी नुकसान हुआ और धनुषकोटि का पूरा शहर बर्बाद हो गया!

आधुनिकता की भेंट चढ़ गए मिट्टी के घर

मिट्टी में ही जन्में है और मिट्टी में ही वापस समाना है। तो फिर जीवन बिताने के लिए मिट्टी के घर से परहेज क्यों? सुख से जीना है तो एक अदद मिट्टी के घर का सपना देंखे, संगमरमर के ताजमहल का नहीं और फिर यह बात भी अपने दिलो-दिमाग से निकाल दें कि मिट्टी या मिट्टी का घर कहते ही आपको गरीब या गरीबी का मारा समझ लिया जाएगा बल्कि मिट्टी का सच समझिए और सुखी रहिए....

सदियों से मिट्टी के घर बनाने की जो परंपरा रही है वह कोई यूं ही नहीं चली आ रही। बल्कि आज भी यह परंपरा बखूबी जिंदा है तो सिर्फ इसलिए कि यह सस्ती सुलभ, टिकाऊ और अच्छी तरह आजमाई हुई सफल परंपरा है। रही बात इसके टिकाऊपन की सीमा की तो वह तो किसी भी पदार्थ से बने घर की अपनी एक आयु होती है और इसके बाद उसका क्षय होना निश्चित है और फिर क्षय होकर इसे अंततःमिट्टी ही तो बनना है। दुनिया में सबसे ज्यादा घर मिट्टी से बने हैं। लेकिन सबसे अधिक उपेक्षित मिट्टी ही मानी जाती है। खासकर मकान बनाने हो तो कभी कोई व्यक्ति मिट्टी के घर बनाने की बात नहीं सोचता। हरेक के जेहन में तुरंत उभरता है पक्के घर के रूप में सीमेंट, कंक्रीट से बना टाइल्स, मोजैक और संगमरमर लगा घर। जबकि इन सामग्रियों से बने घर हमेशा ही महंगे साबित हुए हैं। कई हाथों की जरूरत भी पड़ती है और फिर सीमेंट बनाने में पक्की ईंटें बनाने में पर्यावरण कितना प्रदूषित होता है। इस तथ्य को भी नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

सच्चाई तो यही है कि आज भी विश्व भर के आधे से ज्यादा आबादी मिट्टी के घरों में ही रहती है। भले ही मिट्टी के घर बनाने की निर्माण प्रक्रियाएं विभिन्न हो। अंदाजन भी देंखे तो पाएंगे कि 25 मिलियन परिवारों के पास रहने को घर नहीं है जबकि विश्व के विकासशील देशों में अर्धाधिक आबादी के पास मिट्टी के घर बनाने की सोचना हीं समझदारी नहीं कहलाएगी? जरूरत है सिर्फ सच्चाई जानने की और इस पर नये सिरे से सोचने की। भारत के ही संदर्भ में देखे तो लोग किसी चुम्बकीय आकर्षण से खिंचे चले जाते हैं। शहर की ओर। किसी अदृश्य बांसुरी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुन ही मानों गांवों और कस्बों के लोगों को शहर की ओर जाने को सम्मोहित कर देती है। जबकि यहां आकर उनको झुग्गी-झोपड़ियों वाले सर्वथा असुविधाओं भरे अस्वास्थ्यकर वातावरण में रहना भी पड़ता है और वहीं काम भी करना पड़ता है। फिलहाल भारत में 290 मिलियन लोग शहरों और महानगरों में रहते हें। 1991 में महानगरों की संख्या 23 थीं जो 2001 तक बढ़कर 40 हो गई है और 2025 तक तो यह भीड़ शहरी आबादी को खचाखच भर डालेगी। इनके अलावा कोई 580,760 गांवों में तकरीबन 629 मिलियन लोग रहते हैं। यानी औसतन हिसाब लगायें तो प्रति गांव 1,083 की आबादी। अब हरेक को एक अदद छत तो चाहिए ही। कम लागते वाले घर की ही तलाश ज्यादातर लोगों को रहती है। मोटे तौर पर देखा जाए तो 2021 तक शहरों में तकरीबन 77 मिलियन घरों और ग्रामीण इलाकों में 63 मिलियन घरों के निर्माण की आवश्यकता होगी। अब योजना आयोग के इन आंकड़ों के हिसाब से देखें तो क्या इतनी ज्यादा संख्या में सीमेंट पक्की ईंटों और इस्पता का उपयोग करके घर बनाना संभव है। इसलिए बेहतर यही है कि हम अपने मन-मस्तिष्क में यह सत्य बिठा लें कि मिट्टी का मोल और महत्व समझना ही बेहतर है। चाहे सुनने में यह बात पुराने फैशन जैसी ही क्यों न लगती हो। बात आसानी से हजम नहीं होती हो तब फिर इस तरह सोचें कि घर या इमारतें बनाने में यह जो लोहा, इस्पात, शीला, एल्युमिनियम, सीमेंट, संगमरमर, पक्की ईंटों वगैरह का इस्तेमाल किया जाता है। उन सबकी उपलब्धता के दौरान पर्यावरण में कितनी अधिक मात्रा में प्रदूषण फैलता है और इनके लिए कितनी ज्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है।

इसके अलावा जीवन के लिए सबसे पहली जरूरत समझे जाने वाले हवा और पानी में कितना जहर घुलता है। इनके विपरीत जिन भवन निर्माण सामग्रियों में अपेक्षाकृत कम ऊर्जा की खपत होती है वे पर्यावरण में भी कम ही प्रदूषण फैलाते हैं। मिट्टी एक ऐसी ही प्राकृतिक निर्माण सामग्री है। अब अगर मिट्टी की विशेषता जानना चाहे तो इसकी उपलब्धता से ही शुरूआत की जा सकती है। 250 वर्ग मीटर की जमीन पर 25 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाला मकान तैयार करना है तो 60 क्युबिक मीटर मिट्टी की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए बेंसमेंट एरिया छोड़कर 0।266 मीटर (यानी साढ़े दस इंच) गहराई तक खोदकर निकाली गई मिट्टी पर्याप्त होगी। (दीवारें खड़ी करने के लिए)। सवाल यह उठ सकता है कि अगर इतने ही गुण है मिट्टी में तो फिर

इससे मकान बनाना बंद क्यों हो गया? इस सवाल के जबाव में केरल की मशहूर हस्ती लॉरी बेकर का कहना है कि दरअसल जब से हमने अपना घर खुद बनाने के बजाए दूसरे लोगों पर इसकी जिम्मेदारी डाल दी तब से यह प्रथा गड़बड़ा गई। लॉरी बेकर कुशल मृतिका शिल्पी माने गए हैं। उनका यह भी कहना है कि भारत में हमारी मानसिकता ही ऐसी सनक का शिकार हो गई है कि मिट्टी यानी गरीब और गरीबी। सबसे पहले इस गलत धारणा को दूर करना चाहिए।

उनका मानना है कि एक मध्यम श्रेणी का ईंटों वाला साधारण सा घर बनाने के लिए मात्र दो या तीन बड़े पेड़ों को काटकर इसके जलावन से आवश्यक संख्या में ईंटे पकाई जा सकती है। आस्ट्रेलिया जाकर देखें कि मिट्टी से ही कैसे-कैसे कलात्मक और फैशनेबल घर बनाये गए हैं। उन्हें देखकर एक बारगी यह पता करना भी मुश्किल होता है कि ये मिट्टी से बने घर होंगे। तो दिलोदिमाग से यह फितूर निकाल दें कि मिट्टी का घर कच्चा होता है या पुराने फैशन का होता है। मिट्टी सस्ती, सुलभ और टिकाऊं भवन निर्माण सामग्री है और आप इससे नए और आधुनिक शैली के मकान भी बना सकते हैं। जो अब भी मिट्टी का लोहा मानने की कसर बाकी रह गई हो तो एक नजर इन तथ्यों पर डाल लीजिए जो संभवतःआपका रहा-सहा शक भी दूर कर दें। दरअसल ये कुछ ऐसी मिसालें हैं जो मिट्टी की मजबूती साबित करती है। इग्लैंड के डेवॉन कंट्री में आज भी 40 हजार मिट्टी की बनी कुटियाएं मौजूद हैं और इनमें से कई कुटिया 500 साल पुरानी है। चूने से लिपी-पुती इन कुटियाओं पर फूस के छप्पर पड़े हुए हैं।

जेरिको में आपको धूप में सुखाई गई ईंटों से इमारतें देखने को मिलेगी। ये भी ईसा पूर्व आंठवीं सहस्राब्दी की बनी हुई इमारतें हैं। आग जलाकर ईंटों को सुखाने अथवा पक्की बनाने का चलन तीसरी सहस्राब्दी तक भी नहीं था, क्योंकि ईंधन जलाकर ईंटे सुखाना खर्चीला समझा जाता था। मिट्टी की बनी विश्व की सबसे बड़ी मस्जिद माली में है जो 1907 में बनाई गई थी। चीन की दीवार का भी अधिकांश हिस्सा मिट्टी से बना हुआ है। उत्तर-पश्चिम न्यू मैक्सिको में 16 मील से बना चाको केन्यन-नॅशनल मॉन्युमेंट भी 500 एडी पुराना है और कच्ची ईंटों तथा पत्थरों का बना है। इनमें से अनासाजी इंडियन आदिवासी रहा करते थे और निर्माण कला की खासियत यह थी कि पूरे कबीले के रहने लायक संरचना तैयार की जाती थी वस्तुतः एक सतत् लंबाई में बना आवास रहता था। टीपू सुल्तान का बंगलौर स्थित किला अपना कलात्मक दीवारों, प्रवेश द्वारों और मेहराबों के लिए सुविख्यात है। यह मूलतः केम्पेमोड़ा में 1573 में बनाया गया था और पूरी तरह से मिट्टी से बने इस किले को बाद में टीपू सुल्तान ने पत्थरों से सुरक्षित करवाया था। हालांकि इस किले का बहुत सा हिस्सा ब्रिटिशों के द्वारा बर्बाद कर दिया गया है।

एक नजर...

कोरोना में सिफारिश-पैसा सब है पर इलाज नहीं, किसी के सिर से मां-पिता का उठा साया

यूपी। कोरोना काल में इंसान तो मर ही रहे हैं, अब इंसानियत भी दम तोड़ने लगी है। कहीं ऑक्सीजन के लिए हाहाकार है तो कहीं रेमडेसिविर की कालाबाजारी की वजह से कई लोग दुनिया छोड़ चुके हैं। कोरोना तो लोगों को मार ही रही है, व्यवस्थाएं भी लोगों को कम तबाह नहीं कर रही हैं। भारत में यूपी हो या बिहार, दिल्ली हो या महाराष्ट्र चारों तरफ से कोरोना काल में लाचारी की तस्वीरें सामने आ रही हैं। कोई पैसों के अभाव में अपनोंको नहीं बचा पाया तो किसी के पास पैसा और पावर सब था, मगर इलाज नहीं मिलने से उसका संसार खत्म हो गया। कोरोना की दूसरी लहर में स्थिति कितनी विकराल हो चुकी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक शख्स पिता की अस्थियां विसर्जित कर मां को देखने जाता है तो उसके हाथ में डॉक्टर डेथ सर्टिफिकेट थमा देते हैं। चलिए जानते हैं ऐसी हृदयविदारक घटनाओं को, जिससे यकीन हो जाएगा कि इस कोरोना ने कैसे लोगों को लाचार बना दिया है।

व्यथा कथा 1ः पापा मर चुके थे और डॉक्टर कहते रहे वेंटीलेटर पर हैं–मेरठ में म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट के पुराने कारोबारी सुनील गुप्ता (57) की मेडिकल अस्पताल के कोविड वॉर्ड में कोरोना से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर वेंटीलेटर पर उनका इलाज चलने का दिलासा देते रहे, लेकिन वॉर्ड ब्वॉय ने शव की फोटो दिखाकर दिलासे की पोल खोल दी। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में मृत घोषित किया गया। टीपीनगर क्षेत्र में गुप्ता कॉलोनी निवासी सुनील गुप्ता को दो दिन पहले मेडिकल के कोविड वॉर्ड में भर्ती किया गया। बेटे आशु गुप्ता के अनुसार, भर्ती होने के बाद से ही उन्हें पिता का हाल-चाल मिलना बंद हो गया। उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। कोविड वॉर्ड के कंट्रोल रूम ने भी कुछ नहीं बताया। शनिवार सुबह परिजन कोविड वॉर्ड पहुंचे। एक वॉर्ड ब्वॉय से बातचीत की। उसने सुबह 8 बजे आशु को बताया कि उनके पिता की शुक्रवार रात ही मौत हो चुकी थी। बतौर सुबूत, उसने शव का फोटो दिखाया, जिसमें किसी भी तरह का उपचार नहीं चल रहा था, जबकि डॉक्टर परिजनों से कह रहे थे कि मरीज वेंटिलेटर पर है। परिजनों ने हंगामा किया तो सुबह करीब साढ़े 10 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की है।

व्यथा कथा 2ः सिफारिश, पैसा सबकुछ था...बस नहीं था तो सिर्फ इलाज–गाजियाबाद के गोविंदपुरम निवासी कोरोना संक्रमित शशि शर्मा (52) के परिजनों के पास पैसा, सिफारिश सबकुछ था, नहीं था तो सिर्फ इलाज। शशि के परिजन अस्पताल में बेड के लिए चार घंटे भटकते रहे लेकिन सब बेकार। अंत में कोरोना से जंग लड़ते-लड़ते शशि हार गई और दुनिया को अलविदा कह गई। हालांकि, मौत के बाद भी परेशानियों से छुटकारा नहीं मिला। अंतिम संस्कार को पहुंचे तो वहां भी लाशों की कतार थी, जिसके चलते अंतिम यात्रा के लिए भी चार घंटे इंतजार करना पड़ा। गोविंदपुरम के गौड़ होम सी-731 निवासी शशि शर्मा 21 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव आई। गाजियाबाद-हापुड़ में हॉस्पिटल नहीं मिला। 22 अप्रैल की रात ग्रेटर नोएडा के ग्रीन सिटी हॉस्पिटल ने प्राथमिक उपचार देकर मेरठ रेफर कर दिया। रात 12ः10 बजे परिजन उन्हें मेरठ मेडिकल लाए, यहां बेड खाली नहीं मिला। यहां से निजी अस्पताल और फिर जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल से फिर मेडिकल भेज दिया। इस तरह सुबह के चार बज गए। यहां एक घंटा इंतजार के बाद पांच बजे शशि को एडमिट किया। इमरजेंसी वॉर्ड में मारामारी थी। परिजनों के अनुसार, स्ट्रेचर गंदा था तो दवाइयों के कार्टन बिछाकर मां को उस पर लेटा दिया। कोई देखने वाला नहीं था। धीरे-धीरे उनका ऑक्सीजन लेवल गिरता गया और 24 अप्रैल की दोपहर 12ः40 बजे शशि की सांसों की डोर टूट गई। खुद बॉडी पैक की, खुद ही खींचा स्ट्रेचरः मौत के बाद अस्पताल स्टाफ ने परिजनों को पॉलीपैक थमा दिया। खुद बॉडी पैक करनी पड़ी। खुद ही स्ट्रेचर खींचते हुए बॉडी को बाहर लाए। अंतिम संस्कार करने ब्रजघाट पहुंचे तो लाशों की कतार थी। चार घंटे वेटिंग के बाद नंबर आया। जैसे-तैसे अंतिम संस्कार हो सका।

व्यथा कथा–3 पिता की अस्थियां विसर्जित कर मां को देखने पहुंचे तो थमा दिया डेथ सर्टिफिकेट–दिल्ली के रोहणी निवासी परिवार पर कोरोना का ऐसा कहर बरपा कि सुनने वाले का कलेजा कांप जाए। कोरोना की चपेट में आए दिल्ली निवासी दंपति तीन दिन के भीतर ही काल के गाल में समा गए और बच्चों को अकेला छोड़ गए। शुक्रवार को ब्रजघाट पर अपनी मां की अस्थि विसर्जन करने पहुंचे भाई-बहन को पुरोहित ने जब हिन्दुस्तान अखबार में प्रकाशित दो दिन पहले पिता की अस्थि विसर्जन की फोटो दिखाई तो दोनों भाई-बहन फूट फूटकर रोए। युवक ने बताया कि जब वह पिता की अस्थि विसर्जन कर अस्पताल मां को देखने पहुंचे तो उन्होंने मां का भी डेथ सर्टिफिकेट थमा दिया। पुरोहित ने बताया कि दोनों दिल्ली के रोहणी निवासी हैं और एक दिन पहले ही अपने पिता की अस्थि विसर्जन के लिए आए थे। सिर्फ तीन दिन में कोरोना ने दोनों को अनाथ कर गया।

यूपी पंचायत चुनावः आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में वीडीओ निलंबित

बलिया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर ग्राम प्रधान के उम्मीदवार अपने भाई का चुनाव प्रचार करने के आरोप में एक ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्रा ने जिले के बेरूआरबारी विकास खण्ड में तैनात ग्राम विकास अधिकारी गिरीश कुमार पांडेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिला विकास अधिकारी ने रविवार को कहा कि यह आचार संहिता का उल्लंघन और कर्मचारी आचरण नियमावली के विपरीत कार्य है और इस मामले में विभागीय जांच के लिए खंड विकास अधिकारी सोहांव को जांच अधिकारी नामित किया गया है। यहां जारी सरकारी बयान के अनुसार ग्राम विकास अधिकारी गिरीश कुमार पांडेय जिले के बांसडीह ब्लॉक के पिंडहरा गांव के रहने वाले हैं और उनके भाई नीतीश पांडेय वहां ग्राम प्रधान पद के उम्मीदवार हैं । इस मामले में ग्रामीणों ने निर्वाचन आयोग को ग्राम विकास अधिकारी के ख़िलाफ़ शिकायती पत्र दिया था जिसे गंभीरता से लेते हुए जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्रा ने विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी है।

लखनऊ के इन 55 अस्पतालों में कोविड मरीजों की होगी सीधी भर्ती

लखनऊ। तमाम प्रयासों के बावजूद अस्पतालों की ओर से बेड की उपलब्धता लगातार शून्य बताए जाने को लेकर प्रशासन चिंतित है। शासन से मार्गदर्शन लेकर प्रभारी जिलाधिकारी ने पूर्व के आदेशों को खारिज करते हुए 55 अस्पतालों में सीधी भर्ती करने के निर्देश दिए हैं। इसके पूर्व 96 अस्पतालों वाले निर्देश को निरस्त कर दिया गया है। काफी समय से कोविड कमांड सेंटर गंभीर मरीजों को किसी अस्पताल में बेड नहीं दिला पा रहा है। ऐसे में प्रभारी डीएम रौशन जैकब ने शासन और उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श कर बैठक की। डीएम ने बताया कि नई सूची में शामिल अस्पताल 90 फीसदी बेड पर कोविड मरीजों की सीधी भर्ती करेंगे। यानी इसके लिए सीएमओ के चिट्ठी की जरूरत नहीं पड़ेगी। शेष 10 फीसदी बेड कोविड कमांड सेंटर के जरिए भरे जाएंगे।

इन अस्पतालों में होगी सीधी भर्ती–विद्या अस्पताल रायबरेली रोड, मायो अस्पताल गोमती नगर, वागा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सीतापुर रोड, अथर्व मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल आईआईएम रोड, चरक अस्पताल जेहटा रोड, निशात अस्पताल लालबाग, मैकवेल अस्पताल गोमती नगर, आल्टिस अस्पताल आईआईएम रोड, विवेकानन्द अस्पताल विवेकानन्दपुरम, मेदांता अस्पताल अमर शहीद पथ,

लखनऊ हैरिटेज अस्पताल चौक, ओपी चौधरी अस्पताल सुलतानपुर रोड, चंदन अस्पताल चिनहट, सहारा अस्पताल गोमती नगर, अपोलो मेडिक्स आलमबाग, टेंडर पाम अस्पताल अमर शहीद पथ, उर्मिला अस्पताल सीतापुर रोड, कोवा अस्पताल मुंशीपुलिया इन्दिरा नगर, कामाख्या अस्पताल हरदोई रोड, ग्रीन सिटी अस्पताल कुर्सी रोड, मां चन्द्रिका देवी अस्पताल सुलतानपुर रोड, राजधानी अस्पताल राय बरेली रोड, संजीवनी अस्पताल कुर्सी रोड, एडवांस न्यूरो एवं जनरल अस्पताल अर्जुनगंज सुलतानपुर रोड, श्री साई लाइफ अस्पताल कल्ली पश्चिम रायबरेली रोड, किंग मेडिकल सेंटर काकोरी, जेपी अस्पताल कुर्सी रोड, ए वन अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर टुड़ियागंज, सिप्स अस्पताल शाहमीना रोड, लखनऊ अस्पताल कृष्णा नगर कानपुर रोड, मिडलैंड हेल्थकेयर महानगर विस्तार, अपराजिता अस्पताल जानकीपुरम, चरक अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर दुबग्गा, जगरानी अस्पताल रिंग रोड कल्याणपुर, केके अस्पताल रिवर बैंक कालोनी, सुषमा अस्पताल फैजाबाद रोड, सीएनएस अस्पताल इन्दिरा नगर, राधा कृष्णनम सरकार मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल कृष्णा नगर, एसएचएम अस्पताल मलिहाबाद, रॉकलैंड अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर सुलतानपुर रोड, नोवा अस्पताल गोमती नगर, शिवा अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर कमता क्रॉसिंग गोमती नगर, बाबा अस्पताल मटियारी देवा रोड, श्री साई अस्पताल कुर्सी रोड, औतार अस्पताल बुलाकी अड्डा, मेडिकल केयर सेंटर, मेडवेल अस्पताल कैंट रोड, सन अस्पताल विभव खंड गोमती नगर, आस्था अस्पताल अलीगंज, आरएसडी समर्पण अस्पताल देवा रोड, जीसीआरजी मेमोरियल अस्पताल चन्द्रिका देवी रोड, रेवांता अस्पताल हरददोई रोड।

ऑक्सीजन संकट : आगरा में पति को मुंह से सांस देती रही महिला

फिर भी नहीं बचाई जा सकी जान

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में दिल को झकझोर कर देने वाला मामला सामने आया। सांस लेने में तकलीफ से जूझ रहे अपने पति को लेकर तीन-चार अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद रेणू सिंघल एक ऑटो रिक्शा से एक सरकारी अस्पताल पहुंची और उन्होंने अपने पति को मुंह से भी सांस देने की कोशिश की लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। यह घटना शुक्रवार की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शहर के आवास विकास सेक्टर सात की रहने वाली रेणू सिंघल अपने पति रवि सिंघल (47) को सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एसएनएमसी) एंड हॉस्पिटल लेकर आयी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उसके पति को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उसे बचाने की जुगत में रेणू ने उसे अपने मुंह से भी सांस देने की कोशिश की। रेणू को एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं हो पाई। एसएनएमसी के डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले तीन-चार निजी अस्पतालों ने रेणू के पति को भर्ती करने से इनकार कर दिया। अस्पतालों में भर्ती करने से इनकार करने की घटनाएं शहर में आम हो गई है। आगरा के मुख्य चिकित्सा

अधिकारी आरसी पांडे ने कहा कि जिले में मेडिकल ऑक्सीजन की कमी है। उन्होंने कहा, हम उपलब्धता के अनुसार व्यवस्था कर रहे हैं। बहरहाल उन्होंने दावा किया कि आगरा के अस्पतालों में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए बिस्तर उपलब्ध हैं। कई लोगों ने शिकायत की है कि उन्हें एक बिस्तर की तलाश में एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के चक्कर काटते हुए घंटों तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया गया। शनिवार को एक निवासी ने शिकायत की कि उसकी सास को अस्पताल में भर्ती करने से इनकार कर दिया गया जिससे उनकी मौत हो गई। गढ़ी भदौरिया की 52 वर्षीय मरीज मीरा देवी की एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर उपलब्ध न होने के कारण मौत हो गई। वह कोरोना वायरस से संक्रमित थीं और उनका आगरा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनके बेटे महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि तीन से पांच निजी अस्पतालों ने मेरी मां को भर्ती करने से इनकार कर दिया और उन्हें सरकारी अस्पतालों में भी भर्ती नहीं किया गया। किसी तरह उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां वेंटिलेटर न होने के कारण उनकी मौत हो गई। सीएमओ ने बताया कि आगरा में कोविड-19 मरीजों के लिए 34 अस्पताल हैं और सरकारी एसएनएमसी में कोविड वार्ड में करीब 290 बिस्तर हैं। आगरा में शनिवार को कोरोना वायरस के 530 नए मामले आए जिससे संक्रमण के मामले बढ़कर 16,726 पर पहुंच गए।

श्मशान घाटों पर भीड़, यहां एक दिन में 280 शवों का अंतिम संस्कार

लखनऊ। कोरोना के बढ़े प्रकोप के बीच मरने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है। लखनऊ में बैकुंठ धाम और गुलाल घाट पर शनिवार को लगभग 280 शवों का अंतिम संस्कार हुआ। इसमें लगभग आधे कोरोना संक्रमित थे। शाम छह बजे तक बैकुंठ धाम में कुल 200 शवों का अंतिम संस्कार हो गया था। इसमें 80 कोरोना संक्रमित शवों थे। इनका विद्युत शवदाह गृह व लकड़ी से अंतिम संस्कार किया गया। गुलाला घाट पर भी लगभग 80 शवों का अंतिम संस्कार हुआ। इसमें 41 शव कोरोना संक्रमित थे। हालांकि एक दिन पहले ही चिताओं का बनाने से लोगों को इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। लकड़ी से शवों का अंतिम संस्कार शुरू होने से विद्युत शवदाह गृह पर दबाव समाप्त हो गया है। नगर निगम के अधिकारियों की माने तो शवों की संख्या में अभी कोई कमी नहीं आ रही है। इतने शव लगभग हर दिन पहुंच रहे हैं। शवों के अंतिम संस्कार के लिए पर्याप्त मात्रा में लकड़ी की व्यवस्था कर ली गई है। मौजूदा समय में 30 अप्रैल तक शवों के अंतिम संस्कार के लिए पर्याप्त लकड़ी का इंतजाम है।

वाराणसी, लखनऊ और प्रयागराज में अब कैसी है कोरोना महामारी से स्थिति ?

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि तीन दिन से लखनऊ में नए संक्रमित केस की तुलना में स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक है। प्रयागराज और वाराणसी में भी ऐसी ही स्थिति बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग भय और दहशत का माहौल बनाने में लगे हैं। सोशल मीडिया पर एक जैसे संदेश अलग-अलग एकाउंट से प्रसारित किया जा रहा है। इन लोगों को चिह्नित किए जाने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में दवा, बेड व वेंटीलेटर की कोई कमी नहीं है। यह आपदाकाल है। लेकिन हमारी तैयारी पहले से बेहतर है। 36 जिलों में एक भी वेंटिलेटर नहीं था। आज हर जिले में वेंटिलेटर है। हम पहले राज्य हैं, जिसने चार करोड़ टेस्ट किया है। अभी हम सवा दो लाख टेस्ट प्रतिदिन कर रहे हैं, 10 मई तक हमारी टेस्टिंग की क्षमता आज की तुलना में दोगुनी हो जाएगी। सभी को निशुल्क वैक्सीन की सुविधा देने वाला यूपी पहला राज्य है। ऑक्सीजन की मॉनिटरिंग के लिए सरकार आईआईटी कानपुर, आईआईएम लखनऊ और आईआईटी बीएचयू के सहयोग से ऑक्सीजन की ऑडिट कराने जा रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को सम्पादकों से वर्चुअली संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के लिए 8000 केंद्र बनाए गए हैं जहां एक दिन में करीब साढ़े छह लाख लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को निःशुल्क टीका लगाया जाना है। उन्होंने कहा कि वह खुद 13 अप्रैल से आइसोलेशन में रहते हुए कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने

कहा कि इस बार की लहर पिछली बार की तुलना में तीस गुना अधिक संक्रामक है। लेकिन सरकार की तैयारी पहले से बेहतर है। पिछले दिनों दिल्ली में लॉकडाउन की घोषणा हुई तो रातोरात एक से डेढ़ लाख प्रवासी श्रमिकों का आगमन हुआ। हमने बसें लगाई, सबका टेस्ट कराया और आवश्यकतानुसार क्वारन्टीन किया। **प्रयागराज में 10 दिन बाद 2100 से नीचे आए पॉजिटिव मरीज**–कोरोना संक्रमण के मामले में प्रयागराज में एक ओर राहत है तो हर तरफ आफत दिखाई दे रही है। लगभग 10 दिन बाद कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 2100 से नीचे तो गिरी, लेकिन स्वस्थ होने वालों की संख्या में भी एक दिन में 500 की गिरावट हुई है। जिले में शनिवार को कुल 2054 मरीज संक्रमित पाए गए। इसके पूर्व 14 अप्रैल को 1800 से अधिक मरीज आए थे। इसके बाद रोजाना 2100 से अधिक संक्रमित मिलते रहे। शनिवार को स्वस्थ होने वाले 1807 रहे। इनमें से अस्पताल से ठीक होकर निकलने वालों की संख्या 58 है और होम आइसोलेशन से निकलने वालों की संख्या 1749 है। वहीं, शुक्रवार को स्वस्थ होने वालों की संख्या 2309 थी। जो अब तक की सर्वाधिक संख्या रही। शुक्रवार को अस्पताल से डिस्चार्ज होने वालों की संख्या भी 93 थी, शनिवार को यह संख्या घटकर 58 रह गई। यह प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। हालांकि जांच की बात की जाए तो शनिवार को जांच 12228 लोगों की गई है। कोरोना संक्रमण से शनिवार को भी 13 लोगों की मौत दर्ज की गई।

कोविड-19 की मुफ्त जांच, मुफ्त टीका और मुफ्त इलाज हो : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर नाकामी का आरोप लगाते हुए प्रदेश सरकार से कोविड-19 की मुफ्त जांच, मुफ्त टीका और के मरीजों के मुफ्त इलाज की मांग की है। सपा प्रमुख ने रविवार को ट्वीट के जरिये अपनी मांग रखी। अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए कहा, सपा की मांग, मुफ्त जांच, मुफ्त टीका, मुफ्त इलाज। कोरोना के भयावह काल में जब उत्तर प्रदेश और देश दवाओं एवं ऑक्सीजन तक के लिए तड़प रहा है, कालाबाजारी की खबरें सरकार की नाकामी का प्रतीक हैं। सपा टीके के दामों में एकरूपता की जगह देशभर में त्वरित व मुफ्त टीकाकरण की मांग करती है। इससे पहले, शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के किसी भी निजी या सरकारी कोविड अस्पताल में चिकित्सीय ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न अखबारों के संपादकों के साथ ऑनलाइन बातचीत के दौरान यह भी कहा कि राज्य सरकार विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर इस जीवन रक्षक गैस के संबंध में ऑडिट करेगी। इस दौरान सीएम ने कहा कि प्रदेश के किसी भी कोविड अस्पताल में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। समस्या

कालाबाजारी और जमाखोरी की है, जिससे सख्ती से निपटा जाएगा। हम आईआईटी कानपुर, आईआईएम लखनऊ और आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर ऑक्सीजन का एक ऑडिट करने जा रहे हैं ताकि इसकी उचित निगरानी हो सके। सीएम ने कहा कि कोविड-19 के हर मरीज को ऑक्सीजन की आवश्यकता नहीं पड़ती और इस बारे में जागरुकता फैलाने के लिए मीडिया से सहयोग की अपेक्षा है।

कोरोना पॉजिटिव के घर अब नहीं होंगे सील

लखनऊ। संक्रमित बाहर न निकलें इसके लिए निगरानी समितियां बनाई गई हैं। घर को सील करने से संक्रमित परिवार की घबराहट बढ़ जाती है। प्रभारी डीएम निरीक्षण पर अलीगंज के कंटेनमेंट जोन पहुंची तो वहां कुछ मकान बांस-बल्लियों से सील देखकर नाराजगी जताई। तुरंत नगर निगम से उसको हटाने का निर्देश दिया। डीएम ने संक्रमितों से दूरी बनाते हुए उनका हालचाल लिया। साथ की कुछ को दवा बांटी।

प्रभारी डीएम रौशन जैकब ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अलीगंज के अधीन आने वाले इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उनके साथ एसीएम पंचम सत्यम मिश्रा भी थे। इस दौरान होम आइसोलेशन मरीजों के घर को बाहर से देखा। कहीं बल्लियां लगी थीं तो कहीं टेपिंग कर के संक्रमितों के घरों को सील किया हुआ था। डीएम बोलीं कि निगरानी समितियों का एक विशाल नेटवर्क जब तैयार किया गया है तो घर को सील करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने अपने सामने मरीजों को दवा बंटवाई। कुछ को खुद दवाओं के किट दिए। निर्देश दिया कि मरीजों को समय से

दवाएं मिलें। होम आइसोलेशन मरीजों की नियमित निगरानी करें ताकि किसी की तबियत गंभीर हो तो उसको तुरंत उपचार दिया जा सके।

टेस्टिंग की संख्या शून्य, टीम को निलम्बित करने के निर्देश–रहीमनगर क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स शालिनी मिलीं लेकिन लैब टेक्निशियन अनुपस्थित मिले। स्टाफ नर्स से जब डीएम ने पूछा कि उनकी क्या जिम्मेदारियां हैं तो बता नहीं पाईं। यहां तक कि सूची में अंकित संक्रमितों के घरों के बारे में भी जवाब नहीं दे सकीं। कितने घरों में टेस्टिंग हुई, कितनों को दवा बांटी इस बारे में रजिस्टर में संख्या शून्य मिली। डीएम ने तुरंत संबंधित टीम के कर्मचारियों को निलम्बित करने के निर्देश दिए।

साढ़े तीन लाख दवा के किट मंगवाए, फार्मा कंपनियां भी मदद को आईं–होम आइसोलेशन मरीजों को समय पर इलाज मिले तो हालत नहीं बिगड़ेगी। इसलिए जिलाधिकारी ने जांच के बाद पॉजिटिव आते ही दवा किट पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत बनाई है। शनिवार से दवा बांटने का विशेष अभियान चलाया गया। डीएम ने बताया कि तीन लाख किट दो दिन पहले और शनिवार को 50 हजार दवाओं की किट मंगवाई गई है। इसके अलावा कई बड़ी फार्मा कंपनियां भी दवाओं के किट उपलब्ध कराएंगी।

कोरोना संक्रमण की दर स्थिर हुई है : सहयोग और संयम बनाए रखें : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की प्रदेशवासियों से अपील

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हम सब मिलकर कोरोना के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं। राहत की बात यह है कि अब लगातार पॉजिटिविटी रेट कम होता चला जा रहा है। 22 अप्रैल को यह 24.29 प्रतिशत था जो 25 अप्रैल को 23.01 हो गया। एक और राहत की बात है कि संक्रमित होने वाले भाइयों-बहनों की संख्या अब लगभग स्थिर है। यह 13 हजार के आसपास बनी हुई है। वहीं स्वस्थ होकर घर जाने वाले भाइयों और बहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। 19 अप्रैल को यह संख्या 6,836 थी, जो 25 अप्रैल को बढ़कर 11 हजार 324 हो गई। हमारा रिकवरी रेट भी बढ़ता चला जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास से प्रदेशवासियों के नाम जारी संदेश में यह बात कही।

अभी लंबी लड़ाई बाकी है–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी लंबी लड़ाई बाकी है। सभी के सहयोग से ही पॉजिटिविटी रेट में कमी और रिकवरी रेट में वृद्धि संभव है। कोरोना से लड़ाई घर पर रहकर ही जीती जा सकती है। हम घर पर रहे, इसीलिए अब संक्रमण की दर घट रही है। यह सहयोग निरंतर बनाए रखने का आप सब से निवेदन है। धैर्य और संयम से हमें इस लड़ाई को लड़ते रहना है।

माइक्रो कंटेनमेंट एरिया की नीति लागू होगी–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गाँव या शहर के किसी मौहल्ले में कुछ घरों में संक्रमण है तो उस क्षेत्र को माइक्रो कंटेनमेंट एरिया बनाकर संक्रमण को उस क्षेत्र तक रोकना और वहीं समाप्त करना होगा। ऐसे माइक्रो कंटेनमेंट एरिया में रह रहे परिवारों की आवश्यकताओं को घरों में ही पूरा करने की व्यवस्था की जाए ताकि वे घरों से नहीं निकलें। यह सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इसलिए अब माइक्रो कंटेनमेंट एरिया बनाने की नीति भी इस लड़ाई में सम्मिलित की जा रही है।

परिजन नहीं जायें कोरोना वार्ड में–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्राय- यह देखने में आ रहा है कि पॉजिटिव हुए मरीजों के साथ परिजन अस्पताल आते हैं। इससे परिजनों के संक्रमित होने का खतरा बढ़ता है। यदि परिजन भी संक्रमित हो गए तो मरीज की देखभाल कौन करेगा। अत- निवेदन है कि कोरोना पेशेंट को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद वार्ड में बिल्कुल न जायें। इससे आप स्वयं संक्रमित हो जायेंगे, जिससे संकट और गंभीर होगा। इस समय संकट घटाने में आपसे सहयोग की अपेक्षा है।

ऑक्सीजन और दवा आपूर्ति की कोशिश में कोई कमी नहीं होगी–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति लगातार बनी रहे और उसमें वृद्धि हो इसके लिए हरसंभव प्रयास जारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और, भारत सरकार का पूरा सहयोग इसमें मिल रहा है। वायुसेना के विमानों से खाली टैंकरों को गंतव्य तक भेजा जा रहा है, ताकि समय बचे और टैंकर भरकर जल्द से जल्द सड़क मार्ग से पहुँचे। ऑक्सीजन रेल से भी आए, इसकी व्यवस्था भी की गई है। रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम कोशिशों में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। हम सब मिलकर लड़ेंगे और इस लड़ाई को जीतेंगे।

जनता को राहत के हरसंभव प्रयास जारी–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन कठिनाइयों वाले समय में जीवनयापन के लिये भी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने तीन महीने का राशन निःशुल्क देने का फैसला किया है। भारत सरकार ने भी मई और जून दो माह का राशन निःशुल्क देने निर्णय लिया है। इसके साथ शहरी और ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर्स के खाते में भी एक-एक हजार रूपए डालने का निर्णय लिया गया है। किसानों के खाते में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना निधि की एक किस्त भी शीघ्र ही डाली जाएगी। जनता को राहत देने के हरसंभव उपाय लगातार जारी रहेंगे।

डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ युद्ध के सेनापति हैं - इनका सम्मान करें–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ कोरोना के विरूद्ध इस लड़ाई के सेनापति हैं। अपनी जान हथेली पर रखकर ये लड़ाई लड़ रहे हैं। इनका मनोबल और हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्हें उचित सम्मान दें, ताकि ये दुगने उत्साह से संक्रमितों को स्वस्थ कर सकें। उनके साथ अशोभनीय व्यवहार कदापि न करें।

कोरोना हारेगा और हम जीतेंगे–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें मिलकर इस लड़ाई को लड़ना है। जो रणनीति हमने बनाई है यदि हम उसका अनुसरण करते हैं तो यह विश्वास है कि कोरोना हारेगा और हम जीतेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री रमेश मालवीय के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास प्रेस प्रकोष्ठ के कर्मचारी रमेश मालवीय के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री मालवीय कर्मठ, निष्ठावान और अपने उत्तरदायित्वों का पूरी गंभीरता से पालन करने वाले व्यक्ति थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति और उनके परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें, यह प्रार्थना है। श्री रमेश मालवीय जनसंपर्क संचालनालय के कर्मचारी थे, वे मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ में पदस्थ थे।

एक नजर...

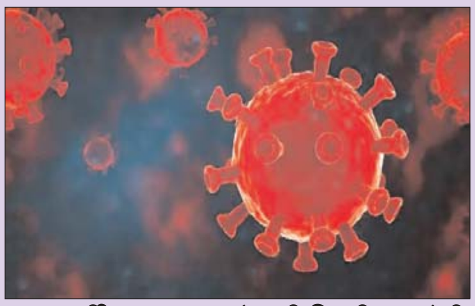

103 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी बिरदीचंद गोठी ने दी कोरोना वायरस को मात, कही यह बात

बैतूल। देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ने वाले 103 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरदीचंद गोठी ने कोरोना वायरस संक्रमण को मात दी है। वह मध्य प्रदेश के बैतूल के निवासी हैं और आधार कार्ड के अनुसार बिरदीचंद गोठी की जन्मतिथि दो नवंबर 1917 है। पांच अप्रैल को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी और शुक्रवार को उनकी रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। गोठी ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, कोरोना वायरस संक्रमित होने के बाद डॉक्टरों ने मेरा इलाज किया। साथ ही घर पर काम करने वाले लोगों ने सहयोग किया। मैं खुश रहा और सादा खाना खाया। इसलिए मैं कोरोना को मात दे सका। उन्होंने कहा, ईश्वर की कृपा से मैं ठीक हूं। इलाज के दौरान सबका सहयोग मिला। मैं मानसिक रूप से ठीक रहा और खुश रहा। खान-पान ठीक रखा। इसलिए जल्द स्वस्थ हो गया। गोठी ने बताया, मेरी बचपन से दिनचर्या ठीक रही है। सुबह जल्दी उठना, संतुलित एवं सादा आहार, नियमित व्यायाम एवं पठन-पाठन और प्रसन्नचित्त मन से अपने हर काम को करता हूं। लेकिन वर्तमान में लोग बदलते दौर में खुद को बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, आजकल का खानपान एवं रहन-सहन लोगों को शारीरिक रूप से कमजोर कर रहा है। इसलिए सभी को सादा जीवन और सादा एवं संतुलित आहार लेने की जरूरत है। दिनचर्या को बेहतर कर शारीरिक परिश्रम करें और प्रसन्न रहें। इससे हम कोरोना को हरा सकते हैं। गोठी ने बताया कि छिंदवाड़ा के डॉक्टर प्रवीण नाहर की देखरेख में बैतूल में घर पर ही उनका इलाज हुआ। डॉ. नाहर ने बताया, गोठी पांच अप्रैल को कोरोना संक्रमित पाये गये थे और 23 अप्रैल को उनकी रिपोर्ट निगेटिव आ गई है।

ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए एयर सेपरेशन यूनिट शीघ्रता से पूर्ण करें - मंत्री श्री भार्गव

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि जिला चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए स्थापित किए जा रहे एयर सेपरेशन यूनिट की स्थापना का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाये। लोक निर्माण द्वारा प्रत्येक जिले में हॉस्टल, स्कूल, आश्रम, छात्रावास या अन्य भवनों में बनाए गये कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाये। उल्लेखनीय राज्य शासन द्वारा जिलों में ऑक्सीजन आपूर्ति तथा अस्थाई कोविड केयर सेंटर तैयार करने की जिम्मेदारी लोक निर्माण को सौंपी गई है। विभाग द्वारा इन केन्द्रों पर 10 हजार बिस्तर की व्यवस्था की गई है।

जिला चिकित्सालयों में ऑक्सीजन आपूर्ति की पुख्ता व्यवस्था–प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि पीएसए तकनीक के माध्यम से ऑक्सीजन संयंत्र स्थापना का कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं। प्रथम चरण में स्वीकृत 8 जिला चिकित्सालयों के संयंत्रों में से खण्डवा, शिवपुरी, सिवनी, उज्जैन, जबलपुर और मंदसौर में ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रारंभ हो गयी है। प्रदेश में 5 स्थानों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रीवा और शहडोल में मुख्यमंत्री सहायता कोष से संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 13 जिला चिकित्सालयों सागर, सीहोर, विदिशा, गुना, सतना, रायसेन, बालाघाट, खरगौन, कटनी, बड़वानी, नरसिंहपुर, बैतूल एवं काटजू अस्पताल भोपाल में संयंत्र स्थापना के लिए मेसर्स एयर ऑक्स औरंगाबाद को मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत पाँच संयंत्र भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रीवा एवं शहडोल में संयंत्र स्थापना का कार्य मेसर्स गैस कॉम कम्पनी को, 15 स्थानों पर उमरिया, शाजपुर, नीमच, झाबुआ, सिंगरौली, टीकमगढ़, अशोकनगर, बुरहानपुर, अनूपपुर, श्यौपुर, डिण्डौरी, अलीराजपुर, आगर-मालवा, निवाड़ी तथा हरदा में स्थापना के लिए मेसर्स एकस्तीय कम्पनी हिमाचल प्रदेश को तथा शेष 9 जिला चिकित्सालयों देवास, धार, मंडला, होशंगाबाद, पन्ना, दमोह, छतरपुर, सीधी और भिण्ड में संयंत्र स्थापना के लिए एयर ऑक्स कम्पनी संयंत्र का कार्य आदेश दिनांक से एक माह में पूर्ण किए जाएगे। अनुबंध के अनुसार संयंत्र के मेंन्टीनेस की तीन वर्ष की गारण्टी निर्माण कम्पनी की होगी।

मंत्री श्री सिलावट ने होम आइसोलेटेड मरीजों से वीडियो कॉलिंग पर की चर्चा

भोपाल। जल संसाधन एवं इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट द्वारा प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप से उक्त सेंटर पर की जा रहे कार्य की समीक्षा की जा रही है। इसी तारतम्य मे मंत्री श्री सिलावट ने रविवार को कोरोना कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर पहुँचकर 25 होम आइसोलेटेड मरीजों से वीडियो कॉलिंग पर चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंत्री श्री सिलावट ने मरीजों का मनोबल बढ़ाते हुए इस महामारी से लड़ने के लिए संबल दिया। चर्चा के दौरान जिन मरीजों की स्वास्थ्य स्तिथि स्थिर नहीं पाई गई, उन्हें तत्काल आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु डॉक्टर्स की टीम को निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने यहाँ पर काम करने वाले वॉलेंटियर्स के हालचाल भी जाने और उनके कार्य की सराहना की। कम लक्षण वाले मरीज होम आइसोलेशन में रहकर अपना इलाज करा रहे हैं, इनकी सतत निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा एसजीएसआइटीएस कॉलेज में कोरोना कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। मंत्री श्री सिलावट ने बताया की 40 डॉक्टर्स एवं 86 ऑपरेटर्स की टीम द्वारा 24ङ्ग7 कोरोना कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों की मॉनिटरिंग की जा रही है। वर्तमान मे होम आइसोलेशन में कुल 3 हज़ार 870 मरीज उपचाररत है। होम आइसोलेटेड मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध कराई जा रही है तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से मरीज को चिकित्सा परामर्श दिया जा रहा है। गत दिवस होम आईसोलेशन में रहकर 431 मरीज स्वस्थ हुये हैं।

प्रदेश में सात विभिन्न कम्पनियों से 1.88 लाख रेमडेसिविर इंजेक्शन की डोज प्राप्त

भोपाल। कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं मरीजों के उपचार के लिये राज्य शासन द्वारा व्यापक स्तर पर प्रबंध किये जा रहे हैं। आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों के साथ रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में अब तक 7 विभिन्न कंपनियों से रेमडेसिविर इंजेक्शन के एक लाख 88 हजार से अधिक डोज प्राप्त हुए हैं। शनिवार को निजी सप्लाई के 10 हजार 940 डोज जिलों को वितरित किये गए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रदत्त स्वीकृति के अनुसार 30 अप्रैल तक मध्यप्रदेश को इन्जेशन के 95 हजार डोज प्राप्त होने की सम्भावना है। प्रदेश के लिए इस कोटे को बढाकर 1 लाख 50 हजार डोज करने का अनुरोध भारत सरकार से किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की आपूर्ति प्रदेश के उन निजी अस्पतालों में भी निःशुल्क करने का निर्णय लिया गया है, जो सरकार के साथ अनुबंधित हैं। जो अस्पताल सरकार से अनुबंधित नहीं है, उन्हें इंजेक्शन प्राप्त करने के लिए इंजेक्शन की राशि 1,568 रुपये प्रति इंजेक्शन रेड क्रास में जमा करानी होगी। उन्होंने बताया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग का क्लीनिकल प्रोटोकॉल भी जारी कर दिया गया है।

जिलों को दवा क्रय करने के लिये आवंटन जारी–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि सभी जिलों को दवाएँ क्रय करने के लिये 13 करोड़ 64 लाख रूपये से अधिक का आवंटन जारी किया गया है। दवाइयों की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने और उन्हें रासुका में जेल भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

वीडियो देखकर लॉकडाउन में बिना काम के घर से बाहर निकलना भूल जाएंगे

भोपाल। देश में कोरोना वायरस का कहर अपना विकराल रूप दिखा रहा है और हर दिन रिकॉर्ड संख्या में लोगों की मौतें हो रही हैं। कोरोना की इस तबाही के मद्देनजर देश के विभिन्न इलाकों में पाबंदियों का दौर जारी है। इन पाबंदियों के बीच सरकारों ने अनिवार्य सेवाओं को छोड़कर हर तरह की गतिविधियों पर रोक लगा रखी है। फिर भी कुछ लोग हैं कि कोरोना से बिना डरे बिना काम के सड़कों पर निकल रहे हैं। ऐसे ही लोगों को यह वीडियो जरूर देखना चाहिए, जिसमें पुलिस कोरोना नियमों का उल्लंघन करने वालों को सबक सिखा रही है। दरअसल, कोरोना कहर के बीच मध्य प्रदेश के कई शहरों में लॉकडाउन और कर्फ्यू जारी है। मंदसौर जिले में भी लॉकडाउन जारी है, मगर कुछ लोग इसका उल्लंघन करते पाए गए, जिसके बाद पुलिस ने बीच सड़क पर उन्हें ऐसी सजा दी कि वे अब बिना जरूरी काम के घर से बाहर निकलने की हिमाकत भी नहीं करेंगे। पुलिस ने मंदसौर जिले में कोरोना नियम तोड़ने वाले लोगों को बीच सड़क पर ही उठक-बैठक करा दिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने इसका एक वीडियो जारी किया है, जिसमें कई युवकों को बीच सड़क पर दंड अथवा सबक के तौर पर उठक-बैठक करते देखा जा सकता है। इतना ही नहीं, पुलिस उन्हें पैर के बल बैठाकर चलवाती भी है। यह घटना 24 अप्रैल यानी शनिवार की बताई जा रही है। इस वीडियो को अब तक 12 हजार से अधिक लोग देख चुके हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश में शनिवार को कोविड-19 संक्रमण से 104 लोगों की मौत हो गई और 12918 नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। इस महामारी से प्रदेश में मरने वालों का यह एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को प्रदेश में 104 लोगों की मौत हुई है। इसी के साथ इस वायरस से राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 5041 हो गई है। इससे पहले मध्य प्रदेश में 19 अप्रैल को कोविड-19 संक्रमण से सर्वाधिक 79 लोगों की मौत हुई थी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुलमोहर का पौधा रोपा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज निवास में गुलमोहर का पौधा रोपा। गुलमोहर के फल और पत्तियों का उपयोग कई दवाइयों और औषधियों के निर्माण में किया जाता है। गुलमोहर सामान्य कमजोरी, प्यास, अतिसार, दस्त, खून की कमी, नाक से खून बहने की बीमारी, सफेद पानी, कामला या पीलिया, अरुचि एवं मधुमेह में लाभप्रद होता है। इसका वैज्ञानिक नाम डेलोनिक्स रेजिआ है। इसमें खासतौर से एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-डायबिटिक, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-डायरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

भारतीय वायु सेना का एयर क्रॉफ्ट भोपाल स्टेट हेंगर से ऑक्सीजन टैंकर लेकर राँची रवाना हुआ।

ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कालाबाजारी को रोकने के लिए बनेगी टास्क फोर्स: मंत्री डॉ. मिश्रा

पुलिस मुख्यालय में की गई समीक्षा

भोपाल। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोरोना महामारी से निपटने के लिए प्रबंधों को पुख्ता करने और इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी को रोकने के लिए टास्क फोर्स बनाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी एवं अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे। डॉ. मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय में कोरोना आपदा में ड्यूटी कर रहे जवानों की चिंता करते हुए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में सशस्त्र बल(एसएएफ), होमगार्ड गार्ड और पुलिस के प्रदेश भर में 1850 लोग कोरोना संक्रमित है। जेल विभाग में भी कुछ लोगों की कोरोना से मृत्यु होना अवगत कराया गया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की ब्लैकमेलिंग करने वालों के खिलाफ अभी तक 11 प्रकरण दर्ज हुए है। इंदौर और भोपाल में कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की जा रही है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार से रासुका के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अस्पतालों में फोर्स का इंतजाम करें–गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने प्रदेश के कई अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ अभद्रता के मामलों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने उन अस्पतालों में फोर्स को तैनात करने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। डॉ. मिश्रा ने लोगों से अपील है कि डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ किसी भी तरीके की अभद्रता न करें, प्रशासन को सहयोग करें।

कोविड-योद्धाओं की मृत्यु पर समय-सीमा में दे 50 लाख: मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना में नगरीय निकाय के सभी सफाई कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही अन्य अधिकारी-कर्मचारी जो कोविड-19 महामारी के लिए सेवाएँ दे रहे हैं, को भी शामिल किया गया है। श्री सिंह ने कहा है कि इन कर्मचारियों की कोविड-19 के कारण अथवा कोविड-19 से संबंधित सेवा के दौरान दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु पर उनके निकटतम परिजन को 50 लाख रुपए राज्य शासन द्वारा दिए जाएंगे। श्री सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने अधीनस्थ नगरी निकाय के किसी भी पात्र कर्मचारी की इन परिस्थितियों में मृत्यु होती है तो नियमानुसार दावेदार का दावा प्रस्तुत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि समय-सीमा में उन्हें 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

कोरोना संक्रमण से बचाने नगरीय निकायों की सेवाएँ जारी

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि नगरीय निकायों को वर्तमान परिस्थिति में निरंतर सहयोग के लिए तैयार रहने और साफ-सफाई तथा सेनेटाइजेशन की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। निकायों द्वारा इस संबंध में उचित कार्यवाही भी की जा रही है। नगरीय निकायों में करोना कर्फ्यू और कंटेनमेंट जोन लागू किए जा रहे हैं। निकायों द्वारा करोना कर्फ्यू के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कुछ जिलों में करोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना करने के साथ ही निर्देशों की अव्हेलना करने वाले प्रतिष्ठानों को सील करने वाली टीम में भी निकाय के कर्मचारियों को लगाया गया है। नगरीय निकायों को जिला प्रशासन द्वारा होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिकल किट वितरण की जिम्मेदारी दी गई है। उसका सभी कर्मचारी बेहतर ढंग से क्रियान्वयन कर रहे हैं। सभी नगरीय क्षेत्रों में घर-घर कचरा एकत्र करने की व्यवस्था को निरंतर बनाए रखा जा रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्रों और वार्ड में नियमित सफाई की जा रही है। कंटेनमेंट जोन और संक्रमित परिवारों से सामान्य अथवा बायोमेडिकल अपशिष्ट संग्रह की व्यवस्था पृथक से किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। बायोमेडिकल अपशिष्ट के निपटान के लिए निकायों द्वारा निजी इंसीनरेटर के साथ अनुबंध किए गए हैं। जिन छोटे निकायों में इंसीनरेशन संस्थाएँ नहीं हैं, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार वैज्ञानिक पद्धति अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। निकायों में प्रमुख स्थानों पर सेनेटाइजेशन की कार्यवाही चालू की गई है। स्थानीय स्तर पर दीनदयाल रसोई केंद्र और शहर की स्वयंसेवी संस्था को जोड़कर बाहर से आने वाले श्रमिकों सहित अन्य जरूरतमंदों के भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। कोविड केयर सेंटर में मूलभूत सुविधाएँ जैसे पानी की आपूर्ति, साफ-सफाई और कचरे के संग्रहण आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से करोना संदेश भी दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी जनता को जागरूक किया जा रहा है।

ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एयरलिफ्टिंग कर भेजे जा रहे हैं ऑक्सीजन टैंकर

मुख्यमंत्री श्री चौहान के चौतरफा प्रयास जारी

भोपाल। प्रदेश में कोरोना मरीजों के लिये ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चौतरफा प्रयास किये जा रहे हैं। जहाँ एक ओर प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट युद्ध स्तर पर स्थापित किये जा रहे है, वहीं दूसरी ओर केन्द्रीय गृह मंत्रालय के सहयोग से झारखण्ड के बोकारो एवं गुजरात के जामनगर स्थित ऑक्सीजन उत्पादकों से ऑक्सीजन टैंकर एयरलिफ्ट कर इंदौर, भोपाल एवं ग्वालियर लाये जायेंगे। प्रायोगिक तौर पर इसकी शुरुआत हो चुकी है, जो सफल भी रही है। यह प्रक्रिया 24 अप्रैल से लेकर 1 मई तक भारतीय वायु सेना की उड़ानों के फेरों के माध्यम से लगातार जारी रहेगी। इससे मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन लाने की समयावधि को कम किया जा सकेगा। इसी प्रकार ऑक्सीजन की पर्याप्त और निर्बाध उपलब्धता के लिए परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बोकारो एवं राउरकेला से प्रदेश को सप्लाई होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति रेलवे के माध्यम से कराये जाने के लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय की एजेंसी डीआरडीओ द्वारा अस्पताल में ही नई डेबेल तकनीक के आधार पर चलने वाले ऑनसाईट ऑक्सीजन गैस जनरेटर प्लांट विकसित किये गए हैं। मध्यप्रदेश के 8 जिलों बालाघाट, धार, दमोह, जबलपुर, बडवानी, शहडोल, सतना और मंदसौर में 5 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक की लागत के इसी तकनीक आधारित 570 लीटर प्रति मिनट की क्षमता वाले ऑनसाईट ऑक्सीजन गैस जनरेटर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा ऑक्सीजन की आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिये 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदे गये है। प्रदेश के 34 जिलों में स्थानीय व्यवस्था से 1,293 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स लगाए जा चुके हैं। सभी जिलों को ऑक्सीजन के मामले में आत्म-निर्भर बनाने के लिए कमर कस ली है। प्रदेश के 13 जिलों में मेडिकल कॉलेज होने से वहाँ पूर्व से ही ऑक्सीजन की बल्क स्टोरेज यूनिट्स उपलब्ध हैं। प्रदेश के 8 जिलों में भारत सरकार के सहयोग से पीएसए तकनीक आधारित 8 ऑक्सीजन प्लांट्स स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 5 प्लांट्स ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। प्रदेश के शेष 37 जिलों के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वयं के बजट से जिला अस्पतालों में पीएसए तकनीक से तैयार होने वाले नए ऑक्सीजन प्लांट्स लगाए जा रहे हैं। इनमें से प्रथम चरण में 13 जिलों में ये प्लांट 16 मई तक प्रारंभ हो जायेंगे। द्वितीय चरण में 9 जिलों में ये प्लांट 23 मई तक चालू हो जायेंगे। तृतीय चरण में शेष 15 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट्स 20 जुलाई तक प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश में ऑक्सीजन के लिए बाहरी स्त्रोतों पर निर्भरता काफी हद तक कम हो जायेगी। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बेड्स को ऑक्सीजन बेड्स में परिवर्तित करने के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है। जिला अस्पतालों के 2,302 बिस्तरों में से अब तक 877 बिस्तरों के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 4588 बिस्तरों में से अब तक 173 बिस्तरों के लिए पाइप लाइन डाली जा चुकी है। केंद्र सरकार से 22 अप्रैल से 643 मीट्रिक टन प्रतिदिन ऑक्सीजन आपूर्ति की स्वीकृति मिली है। ऑक्सीजन की उपलब्धता पर 24 घण्टे निगरानी रखी जा रही है। ऑक्सीजन की आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोलर, फूड एंड ड्रग सेफ्टी को प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश में स्थित थर्मल पॉवर स्टेशंस के माध्यम से खंडवा और सारणी में 7000 लीटर क्षमता वाले नए ऑक्सीजन प्लांट अगले 3 सप्ताह में तैयार हो जायेंगे, जिनसे लगभग 200 सिलेंडर ऑक्सीजन प्रतिदिन प्राप्त हो सकेगी। कौंसिल ऑफ़ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्था के माध्यम से प्रदेश के 5 जिला चिकित्सालयों भोपाल, रीवा, इंदौर, ग्वालियर और शहडोल में नवीनतम वीपीएसए तकनीक आधारित आक्सीजन प्लांट्स 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से लगाये जा रहे हैं। इनमें 300 से 400 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन बनेगी जो कि लगभग 50 बेड्स के लिए पर्याप्त होगी। इस नवीनतम तकनीक से ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है।

एक नजर...

कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए जन जागरूकता कार्य में इंदौर की संस्था आई आगे

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये शासन-प्रशासन के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संस्थायें भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। जीतेगा मध्यप्रदेश - हारेगा कोरोना की थीम पर सारथी एकीकृत संपोषित विकास समिति भी ग्वालियर में कोरोना की रोकथाम के लिये जागरूकता कार्य में आगे आई है। सारथी एकीकृत संपोषित विकास समिति के अध्यक्ष श्री हेमंत शिंदे ने बताया कि ग्वालियर में संस्था द्वारा कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। शहर के साया होटल में एक कंट्रोल रूम स्थापित कर जन जागरूकता के साथ-साथ कोविड-19 के संक्रमण से पीड़ित लोगों को हर तरह की सहायता देने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। समिति के कार्यालय का अवलोकन प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं कोविड-19 के लिए ग्वालियर जिले के प्रभारी श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 26 अप्रैल को प्रातः 11 बजे करेंगे। साया होटल में बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से ग्वालियर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संस्था के सदस्य कार्य करेंगे। संस्था द्वारा 24 घंटे सारथी कोविड कॉल सेंटर का संचालन भी किया जायेगा। इसके साथ ही प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक चिकित्सकों के माध्यम से संक्रमित व्यक्ति को निःशुल्क फोन के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य भी किया जायेगा। इसके साथ ही इम्युनिटी बेस्ट पोषण आहार डाईट चार्ट का निर्धारण कर होम क्वारंटाइन लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा। संस्था द्वारा कोविड संक्रमित मरीजों को घर पर ही मोबाइल के माध्यम से विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, देशभक्ति स्पीच भी उपलब्ध कराने का कार्य किया जायेगा। संस्था का मूल उद्देश्य कोविड-19 के संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए मास्क जरूरी और दो गज की दूरी की महत्ता को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही संक्रमित मरीजों के घर पर आवश्यक वस्तुएँ जिनमें दूध, सब्जी, फल, दवाईयाँ, किराना आदि पहुँचाने का भी प्रयास किया जायेगा।

ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एयरलिफ्टिंग कर भेजे जा रहे हैं ऑक्सीजन टैंकर

ग्वालियर। प्रदेश में कोरोना मरीजों के लिये ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चौतरफा प्रयास किये जा रहे हैं। जहाँ एक ओर प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट युद्ध स्तर पर स्थापित किये जा रहे है, वहीं दूसरी ओर केन्द्रीय गृह मंत्रालय के सहयोग से झारखण्ड के बोकारो एवं गुजरात के जामनगर स्थित ऑक्सीजन उत्पादकों से ऑक्सीजन टैंकर एयरलिफ्ट कर इंदौर, भोपाल एवं ग्वालियर लाये जायेंगे। प्रायोगिक तौर पर इसकी शुरुआत हो चुकी है, जो सफल भी रही है। यह प्रक्रिया 24 अप्रैल से लेकर 1 मई तक भारतीय वायु सेना की उड़ानों के फेरों के माध्यम से लगातार जारी रहेगी। इससे मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन लाने की समयावधि को कम किया जा सकेगा। इसी प्रकार ऑक्सीजन की पर्याप्त और निर्बाध उपलब्धता के लिए परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बोकारो एवं राउरकेला से प्रदेश को सप्लाई होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति रेलवे के माध्यम से कराये जाने के लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय की एजेंसी डीआरडीओ द्वारा अस्पताल में ही नई डेबेल तकनीक के आधार पर चलने वाले ऑनसाईट ऑक्सीजन गैस जनरेटर प्लांट विकसित किये गए हैं। मध्यप्रदेश के 8 जिलों बालाघाट, धार, दमोह, जबलपुर, बडवानी, शहडोल, सतना और मंदसौर में 5 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक की लागत के इसी तकनीक आधारित 570 लीटर प्रति मिनट की क्षमता वाले ऑनसाईट ऑक्सीजन गैस जनरेटर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा ऑक्सीजन की आपूर्ति को सुचारू बनाने के लिये 2000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदे गये है। प्रदेश के 34 जिलों में स्थानीय व्यवस्था से 1,293 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स लगाए जा चुके हैं। सभी जिलों को ऑक्सीजन के मामले में आत्म-निर्भर बनाने के लिए कमर कस ली है। प्रदेश के 13 जिलों में मेडिकल कॉलेज होने से वहाँ पूर्व से ही ऑक्सीजन की बल्क स्टोरेज यूनिट्स उपलब्ध हैं। प्रदेश के 8 जिलों में भारत सरकार के सहयोग से पीएसए तकनीक आधारित 8 ऑक्सीजन प्लांट्स स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 5 प्लांट्स ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। प्रदेश के शेष 37 जिलों के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वयं के बजट से जिला अस्पतालों में पीएसए तकनीक से तैयार होने वाले नए ऑक्सीजन प्लांट्स लगाए जा रहे हैं। इनमें से प्रथम चरण में 13 जिलों में ये प्लांट 16 मई तक प्रारंभ हो जायेंगे। द्वितीय चरण में 9 जिलों में ये प्लांट 23 मई तक चालू हो जायेंगे। तृतीय चरण में शेष 15 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट्स 20 जुलाई तक प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश में ऑक्सीजन के लिए बाहरी स्त्रोतों पर निर्भरता काफी हद तक कम हो जायेगी। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बेड्स को ऑक्सीजन बेड्स में परिवर्तित करने के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है। जिला अस्पतालों के 2,302 बिस्तरों में से अब तक 877 बिस्तरों के लिए पाइप लाइन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के 4588 बिस्तरों में से अब तक 173 बिस्तरों के लिए पाइप लाइन डाली जा चुकी है। केंद्र सरकार से 22 अप्रैल से 643 मीट्रिक टन प्रतिदिन ऑक्सीजन आपूर्ति की स्वीकृति मिली है। ऑक्सीजन की उपलब्धता पर 24 घण्टे निगरानी रखी जा रही है। ऑक्सीजन की आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोलर, फूड एंड ड्रग सेफ्टी को प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश में स्थित थर्मल पॉवर स्टेशंस के माध्यम से खंडवा और सारणी में 7000 लीटर क्षमता वाले नए ऑक्सीजन प्लांट अगले 3 सप्ताह में तैयार हो जायेंगे, जिनसे लगभग 200 सिलेंडर ऑक्सीजन प्रतिदिन प्राप्त हो सकेगी। कौंसिल ऑफ़ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्था के माध्यम से प्रदेश के 5 जिला चिकित्सालयों भोपाल, रीवा, इंदौर, ग्वालियर और शहडोल में नवीनतम वीपीएसए तकनीक आधारित आक्सीजन प्लांट्स 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से लगाये जा रहे हैं। इनमें 300 से 400 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन बनेगी जो कि लगभग 50 बेड्स के लिए पर्याप्त होगी। इस नवीनतम तकनीक से ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है।

ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की कालाबाजारी को रोकने के लिए बनेगी टास्क फोर्स : मंत्री डॉ. मिश्रा पुलिस मुख्यालय में की गई समीक्षा

ग्वालियर। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोरोना महामारी से निपटने के लिए प्रबंधों को पुख्ता करने और इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी को रोकने के लिए टास्क फोर्स बनाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी एवं अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे। डॉ. मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय में कोरोना आपदा में ड्यूटी कर रहे जवानों की चिंता करते हुए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में सशस्त्र बल (एसएएफ), होमगार्ड गार्ड और पुलिस के प्रदेश भर में 1850 लोग कोरोना संक्रमित है। जेल विभाग में भी कुछ लोगों की कोरोना से मृत्यु होना अवगत कराया गया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की ब्लैकमेलिंग करने वालों के खिलाफ अभी तक 11 प्रकरण दर्ज हुए है। इंदौर और भोपाल में कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की जा रही है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार से रासुका के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अस्पतालों में फोर्स का इंतजाम करें-गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने प्रदेश के कई अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ अभद्रता के मामलों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने उन अस्पतालों में फोर्स को तैनात करने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। डॉ. मिश्रा ने लोगों से अपील है कि डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ किसी भी तरीके की अभद्रता न करें, प्रशासन को सहयोग करें।

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही

ग्वालियर क्राईम ब्रांच ने 960 किलो ग्राम गांजे सहित एक तस्कर को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी भापुसे के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ विक्री करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अति. पुलिस अधीक्षक क्राईम सतेन्द्रसिंहतोमर एवं डीएसपी क्राईमश्री रत्नेशतोमरवश्री विजय भदौरिया द्वारा क्राईम ब्रांच को मुखबिर तंत्र विकसित कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया।

दिनांक 25.04.2021 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्तहुईकिकुछ तस्कर डबरा से एक प्याज के ट्रक में गांजे की बड़ी खेप छिपाकर ला रहे है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा उक्त सूचना की तस्दीक कर तस्करों की गिरफ्तारी हेतु डीएसपी क्राईम ग्वालियर को निर्देशित किया। डीएसपी क्राईम द्वारा थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच उनिण् पप्पू यादव के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच की टीम गठित कर उसे मुखबिर के बताये स्थान पर घेराबंदी करने हेतु भेजा गया। क्राईम ब्रांच की टीम को सिथौली पुल के पासएक ट्रक डबरा की ओर से आता दिखा पुलिस टीम द्वारा ट्रक को रोकने पर ट्रक डायवर ने ट्रक को भगाने का प्रयास किया। जिसे क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। ट्रक की तलाशी लेने पर प्याज से भरे ट्रक के बीच गांजे से भरे32 बोरों मेंकुल 960 किलो ग्राम गांजा ;कीमती डेढ़ करोड़ रूपयेद्धको जप्तकिया गया।गिरफ्तारट्रक ड्रायवर के विरूद्ध थाना क्राईम ब्रांच में प्रकरण पंजीबद्ध कर उससे गांजे के संबंध में पूछताछ की जा रही है। **जप्त मशरूका रू32 बोरों में कुल 960 किलो ग्राम गांजा कीमती डेढ़ करोड़ रूपये एक ट्रक-**

सराहनीय भूमिका रूउक्त तस्कर की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच उनि. पप्पू यादव, उनि बलराम मांझी, मनोज सिंह परमार, सतीश सिंह यादवए सउनि राजकुमार सिंह राजावत, कार्यवाहक प्रआर, चन्द्रवीर सिंह, कार्यवाहक प्रआर, सतेन्द्र कुशवाह, कार्यवाहक प्रआर, जितेन्द्र तोमरए आर. नवीन पाराशर, अरुण शर्मा, रणवीर यादव गौरव आर्य, प्रमोद शर्माए अरुण पवैया, विकास तोमरए हरिओम व्यास, रामवीर सिंह, विद्याचरण शर्माए मनोज एस.ए. भगवती सोलंकी, सतीश सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

मुनिश्री ने पूर्व विधायक गोयल ने एअरलिफ्टिंग कर इंपोर्ट किए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के लिए आर्शीवाद

ग्वालियर। राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने आज रविवार को ग्वालियर में ऑक्सीजन के गंभीर संकट को देखते हुए पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल को ग्वालियर के कोरोना मरीजों एंव जन मानस को दिया मंगल आशीष हौसला बनाये रखे ओर अपने आपको धैर्य एंव ह्रदय को मजबूत कर ईश्वर म् आस्था रखें थोड़ा सा वक्त के साथ चलकर बुरा वक्त निकाल दो सब अच्छा होगा। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि पूर्व विधयाक मुन्नलाल गोयल ने तत्काल इमरजेंसी एअरलिफ्टिंग कर 25 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आयात किए हैं, जो आज सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच गए थे! और वहां से पूर्व विधायक का प्राइवेट वाहन से ऑक्सीजन मशीनों को लेकर ग्वालियर के लिए रवाना हो चुका है। ऐसे समय में यह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्राण दाई संजीवनी का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुलमोहर का पौधा रोपा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज निवास में गुलमोहर का पौधा रोपा। गुलमोहर के फल और पत्तियों का उपयोग कई दवाइयों और औषधियों के निर्माण में किया जाता है। गुलमोहर सामान्य कमजोरी, प्यास, अतिसार, दस्त, खून की कमी, नाक से खून बहने की बीमारी, सफेद पानी, कामला या पीलिया, अरुचि एवं मधुमेह में लाभप्रद होता है। इसका वैज्ञानिक नाम डेलोनिक्स रेजिआ है। इसमें खासतौर से एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-डायबिटिक, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-डायरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री रमेश मालवीय के निधन पर शोक व्यक्त किया

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास प्रेस प्रकोष्ठ के कर्मचारी श्री रमेश मालवीय के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री मालवीय कर्मठ, निष्ठावान और अपने उत्तरदायित्वों का पूरी गंभीरता से पालन करने वाले व्यक्ति थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति और उनके परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें, यह प्रार्थना है। श्री रमेश मालवीय जनसंपर्क संचालनालय के कर्मचारी थे, वे मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ में पदस्थ थे।

योगी योगा क्लासेस द्वारा ऑनलाइन निःशुल्क क्लास का हुआ सफल आयोजन

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)। योगी योगा क्लासेस द्वारा रविवार को सुबह 10 बजे निशुल्क ऑनलाइन योगा क्लास का सफल अयोजन किया गया जिसमे सैकडो लोगों ने भाग लिया जिसका मुख्य उद्देश महामारी के समय अपने आपको केसे सुरक्षित रखे, अपनी रोगप्रतिरोधक क्षमता को केसे बड़ाए, मानसिक तनाव को केसे काम करे, महामारी के समय योग से केस निरोगी रखे लाइव अनलाइन क्लास जूम पर आयोजित की गई जिसमे शहर और देश दुनियां के लोगो कर भाग लिया ये यह अयोजन निशुल्क रखा गया था। क्लास इंटरनेशन योगा इंस्ट्रक्टर योगेंद्र कुशवाह योगी द्वारा ली गई। जिसमे सूर्यनामस्कर, आसन तड़ासना, त्रिकोणासन, वीरभद्र आसन, धनुरासन प्रणायाम भस्त्रीका, अनुलोमविलोम, भ्रामरी और ध्यान कराया गया। इस ऑनलाइन अयोजन को सफल बनाने के लिए लोगो तक पहुंचने के लिए योगी योगा क्लासेस के सह संस्थापक राहुल कुशवाह एवम योगा इस्ट्रक्टर अल्का रहोरा, सुजीत पाल आदि लोगों के सहयोग से संपन हुआ।

कोरोना काल में दीनदयाल रसोई बनी जरूरतमंदों का सहारा

नागरिकों को सस्ता भोजन एवं वृद्ध व असहाय को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करा रही है दीनदयाल रसोई

ग्वालियर। कोरोना के संक्रमण के संकट के बीच चल रहे कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भूखा न रहे, हर पेट में भोजन पहुंचे, इस उददेश्य को लेकर नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित दीनदयाल रसोई योजना के तहत प्रतिदिन लगभग 2850 लोगों को 10 रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही ऐसे लोग जो पैसे देने में असमर्थ हैं उन्हें दीनदयाल रसोई द्वारा निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। कोरोना संकट हो या अन्य कोई आपदा गरीबों को सबसे पहले दो वक्त की रोटी की चिंता सताती है। ऐसे में नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के 3 स्थानों पर संचालित स्थाई दीनदयाल रसोई एवं एक चलित दीनदयाल रसोई के माध्यम से अन्य आवश्यक स्थानों पर पहुंचकर जरूरतमंदों को प्रतिदिन सुबह व शाम के समय पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन की योजनानुसार छोटे-छोटे कार्य करने वाले मजदूर व श्रमिकों को सस्ते में भरपेट भोजन मिले को लेकर नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर एवं अपर आयुक्त श्री राजेश श्रीवास्तव के निर्देशन प्राथमिकता के आधार पर इस योजना का संचालन किया जा रहा है। नोडल अधिकारी दीनदयाल रसोई इंजीनियर रजनीश गुप्ता पूर्ण सेवा व समर्पण भाव के साथ दीनदयाल रसोई सेवा प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाई जा रही है ।जिसके तहत नगर निगम द्वारा रोडवेज बस स्टेंड, झांसी रोड बस स्टैंड एवं राजपाएगा रोड नया बाजार पर स्थाई दीनदयाल रसोई चलाई जा रही है। जिसमें प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से एवं शाम के समय 5:00 बजे से जरूरतमंदों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है । इन तीनों दीनदयाल रसोई में लगभग 1600 नागरिकों को प्रतिदिन सुबह व शाम का भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है इसके साथ ही निगम द्वारा संचालित चलित दीनदयाल रसोई द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर लगभग 1300 सौ जरूरतमंद लोगों को सुबह व शाम को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही इन सभी स्थानों पर अनेक ऐसे नागरिक मिलते हैं जिनके पास भोजन के लिए ?10 भी नहीं है उन्हें दीनदयाल रसोई द्वारा निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

दीनदयाल रसोई अब प्रतिदिन शाम को भी जरूरतमंदों को करा रही है भोजन- नगर निगम ग्वालियर द्वारा आमजनों को सस्ता एवं सात्विक भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक दीनदयाल रसोई का संचालन किया जाता है, लेकिन अब नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने कोरोना संकट के दौरान जरूरतमंद व गरीबों की पीड़ा को महसूस करते हुए प्रतिदिन शाम को 5:30 से 8:30 तक भी दीनदयाल रसोई का संचालन कर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत निगम द्वारा विगत दिवस से सुबह व शाम दोनों समय दीनदयाल रसोई का संचालन किया जा रहा है तथा प्रतिदिन लगभग 3000 जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासन द्वारा कोरोना संबंधी जाँच की दरें निर्धारित

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा विभिन्न निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम्स, डायग्नोस्टिक सेंटर आदि में कोरोना संबंधी जॉचों की दरें निर्धारित की गई हैं तथा निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल करने वालों के खिलाफ संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

कोविड संबंधी जाँच की दरें

क्र.	टेस्ट	अधिकतम राशि
1.	ए.बी.जी.	600/-
2.	डी- डाइमर	500/-
3.	प्रोकैल्सिटोनिन	1000/-
4.	सी.आर.पी.	200/-
5.	सीरम फैरिटिन	180/-
6.	आई.एल.6	1000/-

मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ अधिनियम 1940 के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 18 मार्च 2020 को अधिसूचना जारी कर पूरे मध्यप्रदेश में कोरोना बीमारी को संक्रामक घोषित किया गया है। डिजास्टर मैनेजमेंट अधिनियम 2005 के अंतर्गत यदि कोई भी व्यक्ति इस बीमारी के संबंध में कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे राज्य शासन, केंद्रीय शासन अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी को रोकता है अथवा निर्देशों का पालन करने से मना करता है, तो उसे 1 वर्ष तक की कैद एवं जुर्माने की सजा दी जा सकती है। यदि उसके कारण जीवन का खतरा अथवा हानि होती है तो सजा 2 वर्ष तक हो सकती है।

पंचायत एवं मनरेगा
के समस्त अभिलेख के थोक
एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल
मो.नं. 9755898938
पता-कल्पना नगर मुरार.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई
कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके
अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां
फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478